

प्रथम नवदुर्गा : माता शैलपुत्री

वंदे वाद्विछतलाभय चंद्रार्धकृतशेखराम।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम।।



दुर्गा पूजा के प्रथम दिन माता शैलपुत्री की पूजा-वंदना की जाती है। मां दुर्गा की पहली स्वरूपा और शैलराज हिमालय की पुत्री शैलपुत्री के पूजा के साथ ही दुर्गा पूजा आरम्भ हो जाता है। नवरात्र पूजन के प्रथम दिन कलश स्थापना के साथ इनकी ही पूजा और उपासना की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद रेल मंडल में आज चार ट्रेनें रद्द

धनबाद(नबिता ब्यूरो)। धनबाद रेल मंडल के तेलुलमारी-धनबाद-डोकरा हॉल्ट-प्रधानखोटा-छोटा अबोना रेलखंड पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेनों के परिचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। इस कार्य के चलते आज 11 2026 को चार पैसेंजर ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा कई एक्सप्रेस और मेमू ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। कुछ ट्रेनों का परिचालन उनके निर्धारित गंतव्य स्टेशन तक करने के बजाय बीच के स्टेशनों पर ही समाप्त या शुरू किया जाएगा।

बांग्लादेशी नागरिक ट्रेन से गिरपत्तार

साहिबगंज(नबिता ब्यूरो)। आरपीफ और जीआरपी ने एक बांग्लादेशी नागरिक सुमन मियां को गिरफ्तार किया है। वह अपने चार साथियों के साथ 15657 ब्रह्मपुत्र मेल से गुवाहाटी जा रहा था। ट्रेन में चैन खींचने के बाद उसे पकड़ा गया जबकि उसके तीन साथी फरार हो गए। उसके पास से बांग्लादेशी पहचान पत्र, दो मोबाइल फोन और भारतीय मुद्रा के अलावा पाकिस्तान व नेपाल के नोट भी मिले हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी भी उससे पूछताछ कर रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गोल्ड मेडल जीतने वाली खिलाड़ियों का भव्य स्वागत

सिमडेगा(नबिता ब्यूरो)। एशियन हॉकी में चीन को हराकर गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे समेत सिमडेगा की तीन स्टार खिलाड़ी अपने गृह जिले पहुंचीं। सलीमा टेटे, दीपिका सोरेंग और ब्यूटी डुंगडुंग के सिमडेगा आगमन पर हॉकी स्टेडियम के सामने भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्कूल के बच्चों ने स्वागत गान प्रस्तुत कर खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। खेल विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में तीनों खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

झारखंड हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति की जांच तेज

रांची(नबिता ब्यूरो)। झारखंड में वर्ष 2016 की हाईस्कूल शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच तेज हो गई है। झारखंड हाइकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति गौतम कुमार चौधरी की अध्यक्षता वाले एक सदस्यीय फैक्ट फाईंडिंग कमीशन ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग और स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग से कई महत्वपूर्ण जानकारीयां मांगी हैं। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे पुराने हाईकोर्ट परिसर में होगी।

कार की टक्कर से जिप सदस्य के भतीजे की मौत

गुमला(नबिता ब्यूरो)। जिले के कामडारा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में जिप सदस्य बसंती डुंगडुंग के भतीजे संदीप डुंगडुंग की मौत हो गई। संदीप रांची से अपने घर दलमादी लौट रहे थे तभी हादसे के शिकार हो गये।

पलामू में परवाज अभियान की शुरुआत, डीसी ने स्कूली बच्चों के साथ किया संवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। स्कूली बच्चों के लिए शनिवार से पलामू में परवाज अभियान की शुरुआत हुई है। इस अभियान के तहत बच्चों को स्कूल से जोड़कर रखना और उन्हें बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराना है। जिले के चैनपुर प्रखंड के खुरा कला गांव से पलामू डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने इस अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान पूरे जिले में चलाया जाना है ताकि स्कूली बच्चों के अटेंडेंस में सुधार हो सके। डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत खुद इस अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। खुरा कला गांव में अभियान के दौरान डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने स्कूली बच्चों से संवाद किया और परिजनों से भी बातचीत की। इस दौरान स्कूल नहीं जाने वाले बच्चों से उनकी समस्याएं भी सुनी गईं, उनके परिजनों से जानकारी ली गई। बच्चों से संवाद करने के बाद डीसी श्री शेखावत ने सभी ग्रामीणों को बच्चों को स्कूल भेजने को लेकर शपथ भी दिलाई। बाद में उन्होंने स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन भी खुद से परोसा। इस मौके पर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। एम्स देवघर के दूसरे दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने युवा डॉक्टरों, नर्सों और स्वास्थ्य पेशेवरों से अपनी शिक्षा को संस्थान की चारदीवारी तक सीमित नहीं रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान का सर्वोच्च अर्थ समाज की सेवा में है। स्नातक होने के बाद विद्यार्थियों की जिम्मेदारी केवल चिकित्सा करना नहीं बल्कि मरीजों के स्वास्थ्य, विश्वास और कई बार उनके जीवन की रक्षा करना भी है। मरीज चिकित्सक पर भरोसा करके आता है। यह भरोसा योग्यता, ईमानदारी, संवेदनशीलता और नैतिक आचरण से अर्जित होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एम्स देवघर के विद्यार्थी अपनी शिक्षा और विशेषज्ञता को गांवों, जनजातीय समुदायों और दूर-दराज के क्षेत्रों तक लेकर जाएं। भगवान बिरसा मुंडा,

सिद्धो-कान्हू और तिलका मांझी जैसे महान व्यक्तित्वों की धरती पर लोगों की करुणा, सम्मान और समर्पण के साथ सेवा करना उनकी विरासत को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि मेडिकल डिग्री केवल शैक्षणिक उपलब्धि नहीं बल्कि समाज के प्रति दायित्व है। विशेष रूप से वंचित और कमजोर समुदायों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों के माता-पिता, अभिभावकों और परिवारों के त्याग तथा सहयोग की सराहना की। एम्स देवघर के शिक्षकों और कर्मचारियों को भी विद्यार्थियों को तैयार करने और मार्गदर्शन देने के लिए धन्यवाद दिया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 2047 तक समृद्ध भारत का सपना तभी साकार होगा जब प्रत्येक राज्य, जिला और गांव विकास की प्रक्रिया से जुड़ेगा। जनजातीय और ग्रामीण समुदायों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तथा उच्च

शिक्षा उपलब्ध कराना समावेशी विकास का अहम हिस्सा है। उन्होंने एम्स देवघर को इस दिशा में महत्वपूर्ण संस्थान बताते हुए कहा कि दूर-दराज के लोगों तक 2047 तक समृद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना संतुलित विकास का उदाहरण है। उन्होंने अपने संबोधन में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार से जुड़े आंकड़े भी रखे। उनके अनुसार 2014 से पहले देश में 387

मेडिकल कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़कर 846 हो गयी है। एमबीबीएस सीटों की संख्या लगभग 51 हजार है। विशेषज्ञ स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना बड़कर एक लाख 39 हजार हुई है। उन्होंने एमबीबीएस सीटों में 172 प्रतिशत और स्नातकोत्तर यानी पीजी सीटों में 177 प्रतिशत वृद्धि का उल्लेख किया। उनके संबोधन के अनुसार देश में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर कुल

केंद्रीय कोयला मंत्री एवं भूपेश बघेल ने रूपी सोरेन को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन के निधन के बाद उनके पैतृक गांव नेमरा में शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों की हस्तियों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में देश के कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने नेमरा पहुंचकर रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि दी। तीनों नेताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री की मां के निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी शोक का माहौल है। नेमरा स्थित सोरेन परिवार के पैतृक आवास पर आने वाले लोगों के जरिए दिवंगत रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि देने का सिलसिला लगातार जारी है। छत्तीसगढ़

के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और स्थानीय विधायक ममता देवी भी नेमरा पहुंचीं। सभी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में उनके और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। वहीं कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी और पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने भी मुख्यमंत्री के पैतृक आवास पहुंचकर दिवंगत रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि

अर्पित की। इन नेताओं के नेमरा पहुंचने के दौरान मुख्यमंत्री के परिवार के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करने का सिलसिला जारी रहा। मां रूपी सोरेन के निधन के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पैतृक आवास नेमरा में ही रह रहे हैं। वह मां के श्राद्धकर्म से जुड़े विधि-विधान और पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। इसके साथ ही वह नेमरा से ही राज्य सरकार के कामकाज पर भी नजर बनाए हुए हैं। आवश्यक

सरकारी कार्यों का निपटारा कर रहे हैं। पारिवारिक शोक के बीच मुख्यमंत्री की ओर से सरकारी दायित्वों का निर्वहन किए जाने की चर्चा भी हो रही है। नेमरा में लगातार नेताओं और अन्य लोगों के पहुंचने से मुख्यमंत्री के प्रति संवेदना व्यक्त करने का क्रम बना हुआ है। दिवंगत रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि देने के लिए पहुंच रहे लोग शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कर रहे हैं।

निजी स्कूलों की जमीन संबंधी बाध्यता पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 26 अक्टूबर को

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झारखंड के निजी विद्यालयों की जमीन संबंधी बाध्यता और उनके हितों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट में अब 26 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। यह मामला 9 अक्टूबर 2026 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध था, लेकिन अब अगली तारीख निर्धारित की गई है। झारखंड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने विशेष अनुमति याचिका (सिविल) संख्या 18836/2025, राम प्रकाश तिवारी बनाम झारखंड राज्य एवं अन्य मामले में पक्षकार बनने के लिए आवेदन दिया है। एसोसिएशन के धनबाद जिला सचिव इरफान खान ने बताया कि मामले की अगली सुनवाई 26 अक्टूबर को

होगी। एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव रामरंजन कुमार सिंह के अनुसार, झारखंड में शिक्षा का अधिकार अधिनियम की प्रथम संशोधित नियमावली, 2019 के तहत निजी विद्यालयों के लिए निर्धारित भूमि संबंधी शर्तें कई स्कूलों के सामने व्यावहारिक चुनौती बनी हुई हैं। निर्धारित जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यालयों को मान्यता प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर अपना पक्ष रखेंगे। संगठन का प्रयास निजी विद्यालयों के लिए जमीन संबंधी बाध्यता समाप्त कराने अथवा इसमें आवश्यक राहत दिलाने का है।

सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन को बड़ी राहत, संविदा भार घटाने के प्रस्ताव को मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को बड़ी राहत देते हुए उसके संविदा भार में कटौती की याचिका स्वीकार कर ली है। आयोग के अध्यक्ष जस्टिस नवनीत और सदस्य (विधि) महेंद्र प्रसाद की खंडपीठ ने इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी किया है। इसके तहत कंपनी को गेतलसूद बांध के जलाशय पर स्थित अपने 100 मेगावाट क्षमता के तेरते सौर ऊर्जा संयंत्र का संविदा भार 21 एमवीए से घटाकर 750 केवीए करने की अनुमति मिल गई है। आयोग के इस फैसले से कंपनी को प्रशासनिक और वित्तीय स्तर पर राहत मिलने की उम्मीद है। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड और सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के बीच

रांची स्थित गेतलसूद बांध के जलाशय पर 100 मेगावाट क्षमता की तैरती सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित करने के लिए समझौता हुआ था। इस परियोजना से उत्पादित बिजली की निकासी सुनिश्चित करने के लिए सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ने अपने वित्तीय संसाधनों से करीब 14 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 132 केवी क्षमता की समर्पित संचरण लाइन का निर्माण कराया था। शुरुआत में बिजली वितरण निगम ने उच्च तनाव क्षमता के तेरते सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए 21 एमवीए का संविदा भार स्वीकृत किया था। इसके अनुरूप कंपनी ने निर्धारित सुरक्षा राशि भी बिजली निगम के पास जमा कराई थी। हालांकि, सौर ऊर्जा संयंत्र का परिचालन शुरू होने के बाद आंतरिक सहायक खपत के लिए केवल 750 केवीए भार की आवश्यकता

सामने आई। इसी व्यावहारिक और तकनीकी जरूरत को आधार बनाकर सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ने राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका दायर की थी। कंपनी ने संविदा भार को 21 एमवीए से घटाकर 750 केवीए करने की अनुमति मांगी थी, जिसे अब आयोग ने स्वीकार कर लिया है। राज्य विद्युत नियामक आयोग ने 9 अगस्त 2025 को जारी अधिसूचना संख्या 112 के माध्यम से तैरती सौर ऊर्जा परियोजनाओं में अधिकतम सहायक बिजली खपत की सीमा 0.75 प्रतिशत निर्धारित की थी। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन के 100 मेगावाट क्षमता वाले संयंत्र के लिए इस सीमा के आधार पर गणना करने पर सहायक खपत 750 केवीए बैठती है। आयोग ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि 750 केवीए का निर्धारित भार आयोग के

तय मानकों के अनुरूप है। कंपनी ने अपने खर्च पर 132 केवी की संचरण लाइन बनाई है। तकनीकी सीमाओं के कारण 132 केवी से कम वोल्टेज स्तर पर बिजली लेना संभव नहीं होने के आधार पर आयोग ने विद्युत आपूर्ति संविदा, 2015 के नियम 4.7 के तहत विशेष अनुमति प्रदान की है। आयोग ने संविदा भार में कटौती की अनुमति देने के साथ कुछ शर्तें भी तय की हैं। सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ने आयोग के समक्ष लिखित वचन दिया है कि 132 केवी वोल्टेज स्तर पर लगातार बिजली आपूर्ति मिलने के बावजूद वह भविष्य में किसी भी प्रकार की वोल्टेज झूट का दावा नहीं करेगी। समझौते के नियम 6.5 के प्रावधानों के अनुसार उत्पादित कुल बिजली इकाइयों के मुकाबले नेट मीटरिंग पद्धति से किया जाएगा।

THE EASTERN VOICE

English Daily Newspaper

Regional Newspaper in whole Bihar & Jharkhand

Email id-theeasternv@gmail.com

Bihar Office:-Satyendra Nagar,Aurangabad (Bihar,Jharkhand)
Office:-31-Co-operative Colony,Bokaro Steel City, Bokaro (Jharkhand)
Contact:- 6206165107, 7295863300

●●●●

C M Y K

गिद्धौर में नवरात्र से पहले जागी आस्था, उलाई नदी की सफाई से दंडवत मार्ग व्यवस्थित



नवबिहार टाइम्स संवाददाता गिद्धौर/ जमुई। आस्था और परंपरा की मिसाल पेश करते हुए गिद्धौर के ऐतिहासिक दुर्गा मंदिर परिसर के सामने प्रवाहित जीवनदायिनी उलाई नदी की साफ-सफाई पूजा समिति द्वारा कराई जा रही है। नवरात्रि के अवसर पर यह सफाई विशेष महत्व रखती है। कलशस्थापन के साथ ही यहा सदियों पुरानी दंडवत परिक्रमा की परंपरा शुरू हो जाती है, जिसमें श्रद्धालु नदी से

मंदिर तक जमीन पर लेटकर अपनी मनोकामना पूरी होने की प्रार्थना करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति ने नदी घाट से मंदिर तक के पूरे मार्ग को समतल और व्यवस्थित किया है, ताकि दंडवत करने वाले श्रद्धालुओं को कंकड़-पत्थर या कीचड़ से कोई परेशानी न हो। समिति के इस सराहनीय प्रयास से श्रद्धालुओं में आस्था के साथ स्वच्छता का संदेश भी जा रहा है।

समाचार सार

एकदिवसीय फुटबॉल मैच आयोजित, लिपिया की टीम ने 2-1 से दर्ज की जीत



रामगढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले के गोला क्षेत्र लिपिया ग्राउंड में एकदिवसीय फुटबॉल मैच का आयोजित किया गया। इस मैच में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय महासचिव संतोष चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित हुए। संतोष चौधरी ने कहा कि खेल को हमेशा खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे के साथ खेलना चाहिए। फुटबॉल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक विकास, टीम भावना और आपसी समन्वय को भी मजबूत करता है। फुटबॉल एक ऐसा खेल है। जिसमें 11 खिलाड़ी मिलकर एक टीम के रूप में खेलते हैं। यह खेल हमें आपसी सहयोग, एकता और सामूहिक प्रयास को सीख देता है। खेल के मैदान में जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी समुदायों के लोग एक साथ खेलते हैं। इसलिए खेल समाज में सामाजिक समरसता, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है। यह युवाकबला लिपिया और गंधोयिया की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें लिपिया की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए। 2-1 से जीत हासिल की गई। मौके पर टेकलाल महतो, देवचरण महतो, रंजेंद्र महतो, सुकेश सिंह भोका, निर्मल सोरेन, झाड़ी मुर्मु, उदय मुर्मु, राबिन मुर्मु, अशोक मुर्मु, शुभम कुमार, पवन कुमार, महावीर चरण, सूरज, मिथुन, आदित्य, विजय, सुनील, केदार, बबलु, शंकर, विशेषकर, संदीप, भारत सहित सैकड़ों खेलप्रेमी एवं ग्रामीण उपस्थित थे। उक्त बातें जानकारी पार्टी के केंद्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने दी गई।

गावां के धनेता में कुल्हाड़ी से हमला, बुजुर्ग महिला की मौत, पत्नी गंभीर रूप से घायल

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गावां थाना क्षेत्र के धनेता गांव में हिंसक घटना में कुल्हाड़ी से हमला किए जाने के बाद बुजुर्ग महिला शांति देवी की मौत हो गई, जबकि आरोपी की पत्नी कारी देवी को जान बच गई। घटना में दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बसंत भूला, पिता जितन भूला, को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, बसंत भूला ने कथित तौर पर अपनी पत्नी कारी देवी और गांव की बुजुर्ग महिला शांति देवी, पति माघो भूला, पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। घटना के बाद दोनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलते ही गावां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों घायल महिलाओं को अपनी जेप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गावां पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, गिरिडीह रेफर कर दिया गया।हालांकि, अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में ही शांति देवी की मौत हो गई, जबकि कारी देवी की जान बच गई। शांति देवी के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने उसे परिजनों को सौंप दिया है।घटना के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है। गावां थाना से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी के खिलाफ आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

बीएफसीएल में विशेष सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित



रामगढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में कार्यस्थल पर सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करने तथा सुरक्षित कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 10 अक्टूबर को विशेष कक्षा आधारित सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रमाणन पाठ्यक्रम के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रमिकों ने भाग लिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन करने, संभावित खोजि़मों की पहचान करने तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सावधानियों के प्रति जागरूक किया गया। सुरक्षित कार्यप्रणाली अपनाने और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उचित उपयोग करने के महत्व पर भी जोर दिया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों एवं श्रमिकों में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा कार्यस्थल पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सुरक्षा केवल नियमों का पालन करना नहीं, बल्कि प्रत्येक कर्मचारी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड कार्यस्थल पर सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, (सुरक्षा सर्वोपरि- शून्य हानि) के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस कंपनी सुरक्षित कार्य वातावरण के निर्माण तथा मजबूत सुरक्षा संस्कृति के विकास के लिए नियमित रूप से ऐसे प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती रहती है।

शारदीय नवरात्र के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण बैन

शांति समिति की बैठक में, दशहरा को लेकर गाइडलाइंस जारी



नवबिहार टाइम्स संवाददाता जमुई। डीएम श्री नवीन की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभा कक्ष में जिला शांति समिति की बैठक आहूत की गई, जिसमें दशहरा पर्व के मद्देनजर सांप्रदायिक सौहार्द, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और प्रशासनिक तैयारियों का

जायजा लिया गया। डीएम ने मौके पर कहा कि दुर्गा पूजा एक बड़ा त्योहार है , इसलिए इसे पूरी तरह सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पर्व के दौरान महिला एवं बाल सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी असामाजिक तत्व को किसी भी सूरत में बख्शा या माफ नहीं किया जाएगा। जिले में डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। पुलिस की दृश्यता बढ़ाने के लिए संसाधनों का अनुकूलतम उपयोग करने और रणनीतिक व प्रमुख संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। सभी स्टरोरें पर पुलिस कर्मियों की व्यापक ब्रीफिंग सुनिश्चित करने की जरूरत है। अग्निशमन अधिकारी पूजा पंडालों का फायर ऑडिट करेंगे। सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखना है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा

को लेकर पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड रहेगी। जुलूसों की पुछ्ठा सुरक्षा की जाएगी। शांति समिति के सदस्यों से लगातार संवाद किया जाएगा। जिला नियंत्रण कक्ष का भी समय-समय पर निरीक्षण किया जाए। सभी अधिकारी व जवान अपने ड्यूटी स्थलों पर सजगता से मुस्तैद रहेंगे। सभी पूजा पंडालों में, मूर्तियों और विसर्जन जुलूसों के लिए शत-प्रतिशत लाइसेंस अनिवार्य होगा।जुलूसों में शामिल 10 से 25 जिम्मेदार लोगों से अंडरटेकिंग ली जाएगी और संपूर्ण मार्ग की वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी कराई जाएगी। जुलूस या पंडालों में भड़काऊ , उतेजक गाने , आपत्तिजनक नारे और किसी भी प्रकार के प्रतिबंधित हथियारों के प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। ऐसा कोई भी झांकी या चित्र प्रदर्शित नहीं किया जाएगा जिससे किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे। पटना उच्च न्यायालय के आदेशानुसार डीजे

आंगनबाड़ी केंद्रों में दैनिक भोजन मेनू अंकित कराने की मांग

रामगढ़/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के रामगढ़ जिला प्रवक्ता पांडव कुमार महतो के नेतृत्व में मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने जनता दरबार के माध्यम से उपायुक्त ऋतुराज से मुलाकात की गई। रामगढ़ जिले के सभी संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में दैनिक भोजन का मेनू स्पष्ट रूप से अंकित कराने की मांग की गई। इसी दौरान जिला प्रवक्ता पांडव कुमार महतो ने कहा कि कई आंगनबाड़ी केंद्रों में दैनिक भोजन का मेनू अंकित नहीं है या इसकी व्यवस्था बहुत कम देखने को मिलती है। जनता और बच्चों के अभिभावकों को यह



नवबिहार टाइम्स संवाददाता सोनो/जमुई।

दुर्गा पूजा को लेकर शनिवार को स्थानीय थाना परिसर में शांति समिति की बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ सुश्री खुशबू कुमारी ने की। वहीं बैठक में मुख्य रूप से एसडीपीओ राजेश कुमार, थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार, राजस्व पदाधिकारी सरयू मंडल समेत कई अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, पूजा समिति सदस्य मौजूद थे। मौके पर एसडीपीओ राजेश कुमार ने कहा कि मेले का आयोजन करने वाले को मेले में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी रखना अनिवार्य है। पूजा व कार्यक्रम को लेकर लाइसेंस लेना अनिवार्य है, एवं प्रतिमा विसर्जन के समय वीडियोग्राफी करने को बता कही गई। वहीं बीडीओ खुशबू कुमारी ने कहा अश्लील गानों और डी जे बजाने पर पाबंदी रहेगी। आगे उन्होंने कहा कि सभी पूजा कमेटी अपने अपने कार्यकर्ता को आईडी कार्ड बनाकर देंगे और डीजे पर पूर्णतः

पर्यटन, खेल, सड़क और संवाद पर फोकस

डीएम ने मीडिया संवाद का आयोजन कर गिनाई उपलब्धियां



स्थल के रूप में विकास करने की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावे अन्य क्षेत्रों में भी विकास का कार्य तेजी से जारी है जो जल्द समृद्ध जमुई बनाने में सहायक साबित होगा। श्री नवीन ने कहा कि मीडिया प्रशासन और जनता के बीच एक सशक्त सेतु का काम करता है। प्रक्कार फील्ड रिपोर्टिंग के माध्यम से न केवल समस्याएं उजागर करे हैं, बल्कि नीतियों को दिशा देने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। सुदूरवर्ती गांव चोराम्पा से रिपोर्टिंग कर

लगातार कार्रवाई से अपराधियों में बढ़ा पुलिस का खौफ

एसपी अमन कुमार के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था पर कड़ी नजर, हर दिन पुलिस को मिल रही नई उपलब्धि



नवबिहार टाइम्स संवाददाता हजारीबाग। दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन ने विशेष अभियान तेज कर दिया है। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के नेतृत्व में जिलेभर में कानून-व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के साथ-साथ असामाजिक तत्वों, अपराधियों और अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की लगातार कार्रवाई और बेहतर विधि-व्यवस्था का असर अब जिले में साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। पूजा के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस पदाधिकारियों और जवानों



तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार उपलब्धियों सामने आ रही हैं। अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही वारंटियों और वांछित आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की सक्रियता से अपराधियों में कानून का भय बढ़ा है। पुलिस प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि दुर्गा पूजा

के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और आम लोग सुरक्षित वातावरण में पूजा एवं उत्सव का आनंद ले सकें। हर दिन कार्रवाई, अपराध निवर्णन पर जोर जिले में पुलिस की ओर से लगातार की जा रही कार्रवाई को लेकर आम लोगों के बीच भी सकारात्मक माहौल बन रहा है। पुलिस अधिकारियों को सूचना तंत्र मजबूत करने और संहि्ग गतिविधियों की तत्काल जानकारी लेकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। सोशल मीडिया और अफवाहों पर भी पुलिस की नजर है। पूजा समितियों से भी प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्यक्रम आयोजित करने की अपील की गई है। जुलूस और विसर्जन के दौरान निर्धारित मार्ग, समय और

प्रशासनिक निर्देशों का पालन करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट दुर्गा पूजा के महेनजर पुलिस बल की तैनाती, गश्त और निगरानी व्यवस्था को मजबूत किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर विशेष नजर रखी जा रही है। पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि पूजा के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे और किसी भी स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। लगातार मिल रही पुलिस उपलब्धियों और मजबूत विधि-व्यवस्था से यह संदेश स्पष्ट है कि जिले में अपराध और असामाजिक गतिविधियों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। दुर्गा पूजा के दौरान शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है।

राज्यभर के मतदान केंद्रों पर लगा मेगा हेल्पडेस्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता रांची। भारत निर्वाचन आयोग के

निर्देशानुसार राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर मेगा हेल्पडेस्क सह बीएलओ-बीएलए-2 बैठक आयोजित की गई। इस दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत 'चुनाव पाठशाला' का भी आयोजन हुआ, जिसमें छूटे हुए पात्र नागरिकों—विशेषकर युवाओं—को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया समझाते हुए आवेदन के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने हजारीबाग एवं रामगढ़ जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं और गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलए-2 को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र के पात्र नागरिकों से संपर्क साधकर फॉर्म भरवाने में सक्रिय



सहयोग करें। उधर, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार स रा य के ला-खरसावां एवं जमशेदपुर के मतदान केंद्रों का मुआयना किया। इसके अतिरिक्त, सभी जिलों में जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के नेतृत्व में मेगा हेल्पडेस्क संचालित हुए, जहां संबंधित अधिकारियों

ने केंद्रों का भौतिक सत्यापन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने युवाओं से अपील की है कि वे समय रहते निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराएं। साथ ही, उन्होंने बीएलओ और बीएलए-2 को सक्क करते हुए कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे, और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी अपात्र या विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज न होने पाए।

विभावि में 11वें दीक्षांत समारोह की तैयारी तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) में प्रस्तावित 11वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। हालांकि, समारोह की तिथि पर अभी राजभवन सचिवालय से अंतिम मुहर लगना बाकी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने संभावित तिथि के लिए राजभवन को आग्रह पत्र भेजा है। संभावना है कि समारोह अक्टूबर के अंतिम सप्ताह या नवंबर-दिसंबर में आयोजित हो सकता है। समारोह को लेकर कुलपति प्रो. चंद्र भूषण शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कुलपति सभाओं में पदाधिकारियों, विभागाध्यक्षों और विभिन्न समितियों के संयोजकों की समीक्षा बैठक हुई। परीक्षा नियंत्रक डॉ. पंकज कुमार माझी ने बताया कि स्वर्ण पदक और उपाधि वितरण के लिए फोल्डर आदि की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। परीक्षा विभाग की ओएसडी डॉ. इफ्शा खुर्शीद ने भी तैयारियों की जानकारी दी।



कुलपति प्रो. शर्मा ने निर्देश दिया कि आয়োजन में मितव्ययिता का कड़ाई से पालन हो और केवल आवश्यक मदों में ही खर्च किया जाए। उन्होंने अंग-वस्त्र की व्यवस्था के लिए के.बी. महिला महाविद्यालय के फैशन डिजाइनिंग विभाग से संपर्क करने का सुझाव दिया।

बैठक में छात्र-कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ. विकास कुमार, कुलसचिव सुंदर प्रसाद कुशावाहा, वित्त पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार पॉल सहित कई अधिकारी मौजूद थे। पिछले वर्ष भी 23 दिसंबर को कुलपति के मार्गदर्शन में दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ था।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजधानी रांची को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम ने दो मोर्चों पर कार्रवाई तेज कर दी है। शहर की सड़कों पर बिजली के खंभों से बेतराब ढंग से लटकते इंटरनेट फाइबर केबल को व्यवस्थित करने के लिए संबंधित कंपनियों को तीन दिनों का अल्टीमेटम दिया गया है। वहीं, शहर के प्रमुख मार्गों पर पेड़ों की वैज्ञानिक छंटाई और उनकी कैनोपी को व्यवस्थित करने का काम भी शुरू कर दिया गया है। नगर निगम की इन पहलों का उद्देश्य शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ सार्वजनिक स्थलों को अधिक सुव्यवस्थित बनाना है।



लटकते केबल पर निगम सख्त, तीन दिन की मोहलत बिजली के खंभों पर बेतराबी तरीके से लटकते इंटरनेट फाइबर केबल राजधानी की सड़कों की सुंदरता बिगाड़ रहे हैं। इस समस्या को लेकर अपर नगर आयुक्त संजय कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों, दूरसंचार अवसंरचना एजेंसियों, केबल ऑपरेटर्स और बिजली विभाग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। बैठक में रिलायंस,

इडीआइपीएल, इंडस टावर, प्रोटो और बीएसएनएल समेत संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में अपर नगर आयुक्त ने कहा कि केबल व्यवस्थित करने के लिए पहले भी कई बार मौखिक और लिखित निर्देश दिए जा चुके हैं लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने संबंधित कंपनियों को अंतिम अवसर देते हुए केबलों को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि तय समयसीमा में निर्देशों का पालन नहीं करने वाली एजेंसियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने माता रूपी सोरेन की स्मृति में निभाई पारंपरिक रस्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार की सुबह रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित अपने पैतृक आवास पर अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन की स्मृति में श्राद्ध कर्म से जुड़ी पारंपरिक रस्म निभाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय परंपरा और रीति-रिवाजों के अनुसार अपनी माता की स्मृति में दातून, पानी और भोजन अर्पित किया। परिवार के सदस्यों के साथ उन्होंने इस पारिवारिक संस्कार को पूरा किया। स्थानीय परंपरा के अनुसार, दिवंगत व्यक्ति की स्मृति में यह रस्म सुबह और शाम दोनों समय निभाई जाती है। मुख्यमंत्री ने भी परिवारजनों के साथ इस परंपरा का पालन करते हुए अपनी दिवंगत माता को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।



एक नजर

पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप

रफीगंज (औरंगाबाद)। रफीगंज थाना क्षेत्र के नीमा वाजिद गांव में पुश्तैनी जमीन पर कथित अवैध कब्जे और गोलीबारी का मामला सामने आया है। गांव निवासी अमरेश कुमार ने कुछ लोगों पर उनकी पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा करने, गोलीबारी करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाते हुए अपने परिवार की सुरक्षा और जमीन को कब्जामुक्त कराने की मांग की है। अमरेश कुमार ने बताया कि उनके पूर्वजों ने वर्ष 1933 में 13.5 एकड़ जमीन खरीदी थी। उनका दावा है कि इस जमीन पर उनका परिवार करीब 90 वर्षों से काबिज रहा है। जमीन को लेकर सिविल कोर्ट में टाइटल सूट के साथ पहली और दूसरी अपील तक कानूनी प्रक्रिया चली। इसके बावजूद पीड़ित का आरोप है कि संबंधित लोगों ने उनकी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। उन्होंने ने बताया कि न्याय के लिए अंचलधिकारी, रफीगंज थाना, अनुमंडल पदाधिकारी, जिलाधिकारी और आईजी स्तर तक अपनी शिकायत पहुंचाई है। इसके बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं होने हुआ है। स्थानीय थाने में जमीन विवाद बताकर उनकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जाती। पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन और पुलिस के वरीय अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, जमीन से संबंधित कानूनी दस्तावेजों की समीक्षा करने, दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने तथा परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

जर्जर सड़क से ग्रामीण परेशान

औरंगाबाद। जिले के मदनपुर प्रखंड के ग्राम पंचायत चेंबे नवादा के पलकिया रोड ओरडीहा गांव की यह तस्वीर सरकारी विकास के दावों की हकीकत बयां कर रही है। गांव की मुख्य सड़क की हालत इतनी जर्जर हो चुकी है कि ग्रामीणों का चलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय ग्रामीण नरेश सिंह, विवेक सिंह, रुपेश कुमार, पंकज सिंह सहित बताते हैं कि कई वर्षों से इस सड़क की मरम्मत नहीं हुई है। अगर समय रहते सड़क की मरम्मत हो जाती है तो ग्रामपीणों को काफी हद तक सहूलियत हो सकती है। बताया कि वर्षों पहले सड़क का निर्माण कराया गया था परंतु सड़क देखरेख के अभाव में जर्जर हो गई है। थोड़ी सी बारिश में ही सड़क पर जलजमाव और कीचड़ हो जाता है, जिससे बाइक तो दूर पैदल चलना भी परेशानी हो जाती है। स्कूली बच्चे, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इतनी होने के बावजूद भी अधिकारियों का ध्यान सड़क के निर्माण के प्रति नहीं है।

तीखा मोड़ दे रहा दुर्घटना को न्योता

औरंगाबाद। जिले में सड़क दुर्घटना एक बड़ी समस्या है। बता दें कि इन दिनों सड़क दुर्घटना में दर्जनों लोग अपनी जान से हाथ धो दे रहे हैं। दुर्घटना के पीछे कई कारण हैं, जिसमें एक प्रमुख कारण सड़कों पर बने तीखा मोड़ है। यह अक्सर दुर्घटनाएं होती है। नतीजा होता है कि दो पहिया सवार तो इन तीखे मोड़ का निशाना बन ही जाता है। जिले में ऐसे तीखे मोड़ हैं जहां अक्सर दुर्घटनाएं घट जा रही है। देव जाने वाली पथ में उमगा गांव के समीप ऐसे तीखे मोड़ हैं जो अक्सर हादसे को निमंत्रण देते हैं और वहां हादसा होने की संभावना बनी है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही पर सख्ती

रामगढ़ में छह मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण, योग्य नागरिकों का नाम जोड़ने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2026 के तहत शनिवार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त सह मतदाता सूची प्रेक्षक विजय कुमार गुप्ता ने रामगढ़ जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने की प्रक्रिया की समीक्षा की

स्कूटी सवार की गोली मारकर हत्या

- ➡बच्चे को स्कूल छोड़ लौट रहा था मृतक
- ➡एक बाइक पर सवार थे तीन अपराधी
- ➡पुलिस कई बिंदुओं पर कर रही तफ्तीश



नवबिहार टाइम्स संवाददाता आरा। शनिवार की सुबह अपराधियों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। नवादा थाना क्षेत्र के बिहारी मिल ओवरब्रिज के पास सूर्य मंदिर के समीप स्कूटी से घर लौट रहे हार्डवेयर दुकानदार उपेंद्र सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी

गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वारदात को अंजाम देने के बाद बाइक सवार हमलावर मौके से फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, उपेंद्र सिंह शनिवार सुबह करीब छह बजे अपने बच्चे को स्कूल छोड़ने गए थे। वहां से वे गोढ़ना रोड स्थित

गौतम बुद्ध नगर में अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बिहारी मिल पुल के पास सूर्य मंदिर के समीप तीन हमलावरों ने उन्हें निशाना बनाया। गोली लगने से उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्ष घटनाक्रम से जुड़ी शुरूआती जानकारी के अनुसार, तीनों हमलावर अपाचे बाइक पर सवार थे। वारदात के बाद वे फरार हो गए। मृतक की पहचान संदेश थाना क्षेत्र

के बड़िहा गांव निवासी स्व. बैजू सिंह के 35 वर्षीय पुत्र उपेंद्र सिंह के रूप में हुई है। वे बहोली में हार्डवेयर की दुकान चलाते थे। हत्या की सूचना मिलते ही नवादा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस आसपास के लोगों और मृतक के परिजनों से पूछताछ कर रही है। शुरूआती जांच में भूमि विवाद और रुपये के लेन-देन समेत कई बिंदुओं

पर पड़ताल की जा रही है। हालांकि, हत्या की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुटे हैं।

बालक की गला रेतकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता मधेपुरा। पैलाढ़ प्रखंड अंतर्गत ईटहरी गांव में शनिवार की सुबह करीब 11 बजे अनिल यादव(45) ने एक 12 वर्षीय बालक का गला रेत दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने दूढ़कर आरोपित अनिल यादव को पीट-पीट कर मार डाला। ईटहरी गांव के वार्ड दो निवासी

आरोपित को लोगों ने दूढ़ पीट-पीटकर मार डाला

सुनील ठाकुर के पुत्र सुमित कुमार (12) की हत्या की खबर मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपित अनिल यादव को दूढ़कर मार डाला। ग्रामीणों के अनुसार बराही पंचायत के वार्ड संख्या आठ

के स्व. राजकिशोर यादव का पुत्र मानसिक रूप से अस्वस्थ था। सदर थानाध्यक्ष विमलेंद्रु कुमार के अनुसार दोनों लाश बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। कानून को अपने हाथ में लेने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। विधि-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

आठ दिनों बाद भी नहीं मिली लाश

मां-बाप ने पुतला बनाकर किया अंतिम संस्कार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता बेगूसराय। जिस उम्र में माता-पिता को अपने बेटों के सेना की वदी पहनने और देश की सेवा करने का इंतजार था, उस उम्र में उन्हें अपने जिगर के टुकड़ों के पुतले बनाकर अंतिम संस्कार करना पड़ा। आठ दिनों तक गंगा किनारे अपनों की तलाश और उनके घर लौटने की उम्मीद में बैठे परिजनों की आंखें आखिरकार पथरा गईं। न बेटों का कोई सुरंग मिला और न ही उनके अंतिम दर्शन हो सके। बिहार के बेगूसराय जिले के बरौनी प्रखंड स्थित समिरिया भोला घाट पर दो अक्टूबर को गंगा में डूबे गढ़हरा निवासी अंकित कुमार (20) और शिवम कुमार (19) का आठ दिन बाद भी पता नहीं चल सका। दोनों युवक सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहे थे। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों ने लगातार उनकी तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं

मिली। आखिरकार परिजनों ने दोनों के पुतले बनाकर उनका अंतिम संस्कार कर दिया। इस हृदयविदारक घटना ने परिवारों को तोड़कर रख दिया है। वहीं, ग्रामीणों ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि क्या गरीब परिवारों के बच्चों की जिंदगी की कोई कीमत नहीं है? दो अक्टूबर को समिरिया भोला घाट पर गंगा में डूबने के बाद अंकित कुमार और शिवम कुमार लापता हो गए थे। घटना के बाद से ही दोनों परिवार अपने बेटों के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए बैठे थे। स्थानीय गोताखोरों और ग्रामीणों ने लगातार नदी में उनकी तलाश की, लेकिन आठ दिन बीत जाने के बाद भी दोनों का कोई पता नहीं चल सका। हर गुजरते दिन के साथ परिजनों की उम्मीदें कमजोर होती गईं। परिवार के लोग गंगा किनारे इस आस में बैठे रहे कि शायद उनके बेटे वापस लौट आए या कम से कम

लापता महिला की लाश बरामद

उनके शव मिल जाएं, ताकि वे अंतिम दर्शन कर सकें। लेकिन उनकी यह उम्मीद भी पूरी नहीं हुई। आखिरकार, भारी मन से परिजनों को दोनों युवकों के पुतले बनाकर अंतिम संस्कार करना पड़ा। अंकित कुमार अपने पिता राम प्रताप सहनी का इकलौता बेटा था। पिता ने बेटे को सेना की वदी में देखने और उसके सेना में भर्ती होकर परिवार का नाम रोशन करने के सपने संजोए थे। अंकित भी सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि एक दिन वह देश की सेवा करेगा और उनके सपनों को पूरा करेगा। लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि गंगा में स्नान करने गया बेटा कभी घर वापस नहीं लौटगा। आठ दिनों तक पिता अपने इकलौते बेटे की एक झलक पाने के लिए तरसते रहे। बेटे के मिलने की उम्मीद में परिवार ने लंबा इंतजार किया, लेकिन अंत में उन्हें उसके पुतले का अंतिम संस्कार करना पड़ा। वहीं, शिवम कुमार का परिवार भी इसी दर्द से गुजर रहा है।

भागलपुर। घर के पीछे पानी से भरे गड्ढे में एक महिला का शव मिला। मृतका की पहचान गुड्डू यादव की पत्नी राधिका देवी (22) के रूप में हुई है। पौरपैती थाना क्षेत्र के अठनिया गांव में शनिवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई। घर के पीछे ही शव मिलने से गांव में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। वहीं, मृतका के पिता और परिजनों ने हत्या कर शव गड्ढे में फेंके जाने की आशंका जताई है। हालांकि, इस आरोप की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, राधिका देवी पिछले तीन दिनों से घर से लापता थी। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच शनिवार सुबह घर के पीछे स्थित पानी से भरे गड्ढे में उसका शव दिखाई दिया। शव मिलने की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। राधिका अपने पीछे एक साल की बेटी अनुष्का को छोड़ गई है। मां की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अनियंत्रित स्कॉर्पियो पलटी, एक की मौत

चार गंभीर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता अरवल। पटना-औरंगाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या- 139 पर सदर थाना क्षेत्र में उमैराबाद के पास स्कॉर्पियो पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। मृतक की पहचान स्थानीय प्रसादी इंग्लिश गांव निवासी मंटू कुमार के रूप में की गई है। घायलों की पहचान अभी नहीं हो पाई। घटना शुक्रवार की रात करीब एक बजे की है। घटना के बाद मृतक के स्वजन में कोहराम मच गया। हादसे की खबर मिलते ही स्वजन व ग्रामीण सदर अस्पताल अरवल पहुंचे। स्कॉर्पियो पर सवार सभी पांच लोग एक बड़े पार्टी में शामिल होने के बाद वापस



प्रसादी इंग्लिश बाजार की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान उमैराबाद के पास एनएच-139 पर स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में वाहन सवार पांच लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत एवं बचाव कार्य में मदद की। इसके बाद सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया। हालांकि, इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य का इलाज जारी है। वाहन चालक का संतुलन बिगड़ने के कारण यह दुर्घटना हुई। सूचना पर पहुंची सदर थाने की पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो को अपने कब्जे में ले लिया है।

जिला सर्वोदय मंडल का गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता एकमा (सारण)। एकमा प्रखंड के राजापुर गांव स्थित लीला पैलेस में सारण जिला सर्वोदय मंडल के गठन को लेकर एक बैठक एवं शोकसभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महंत तिवारी, संचालन सदन कुमार सिंह ने की, जबकि प्रस्ताव भरत सिंह ने प्रस्तुत किया। बैठक में सर्वसम्मति से जेपी सेनानी रामजी तिवारी को सर्वोदय मंडल का अध्यक्ष, जेपी सेनानी भरत सिंह को सचिव, जेपी सेनानी ददन पांडेय को कोषाध्यक्ष तथा मनोहर मानव को जिला से राष्ट्रीय प्रतिनिधि के तौर पर चुना गया। बैठक में सर्वोदय समाज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को जिले के सभी प्रखंडों में मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष शं तिवारी ने कहा कि सर्वोदय समाज महान्मा गांधी, आचार्य विनोबा भावे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों पर आधारित है। इसका उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करना है।



उन्होंने कहा कि सर्वोदय समाज गांधीजी के रचनात्मक कार्यक्रमों को अपने जीवन में अपनाने और समाज के लोगों को इसके लिए प्रेरित करने का कार्य करता है। सारण जिले में सर्वोदय मंडल की इकाई निष्क्रिय हो गई थी, जिसे पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई। अब जिले के सभी प्रखंडों में सर्वोदय मंडल की इकाइयों का गठन करना संगठन का अगला लक्ष्य होगा। बैठक में संगठन के विस्तार, सामाजिक जागरूकता तथा गांधीवादी विचारधारा को व्यवहार में उतारने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि संगठन को सक्रिय बनाकर समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा।

इस अवसर पर सदन कुमार सिंह, सवालिया गिरी, रितिक कुमार यादव, शशि भूषण सिंह, महंत तिवारी, रमेंद्र कुमार सिंह, रामजी तिवारी, रामनिवास गिरी, अशोक कुमार सिंह, ओमप्रकाश गिरी, बागेश्वर गिरी, अवधेश कुमार सिंह, कामेश्वर पांडेय, तारकेश्वर तिवारी, भारत सिंह, विद्यासागर पांडेय, सच्चिदानंद सिंह, चंद्रकांत सिंह, रमाशंकर सिंह, ददन पांडेय, गुलेश्वर चौबे और चाणक्य कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। बैठक में सर्वोदय मंडल के दिवंगत साथियों की श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया गया। अंत में निर्णय लिया गया कि आगामी बैटक 1 नवंबर को जलालपुर में आयोजित होगा।

बाइक सवार की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पटना। पटना सिटी इलाके में अपराधियों ने चर्चित बाइक राइडर गुलशन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात दीवारगंज थाना क्षेत्र के गुलमहियाबाग इलाके में हुई। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल गुलशन को परिजन और स्थानीय लोग इलाज के लिए एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल हत्या की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मृतक की पहचान सुकुलपुर निवासी अनिल सिंह के पुत्र गुलशन कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गुलमहियाबाग इलाके में आम के पेड़ के पास गुलशन को गोली मारी गई। वारदात के बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गुलशन की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गुलशन कुमार कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्स लेन पर बाइक राइडिंग और स्टैंट के वीडियो को लेकर चर्चा में आए थे।

फर्जी प्राथमिकी को ले ग्रामीणों का हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता लातेहार। रेशमी मेटालिक कंपनी के खिलाफ हजारों ग्रामीणों ने चंदवा-बालुमाथ एनएच-99 पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने कंपनी प्रबंधन पर विरोध करने वालों के खिलाफ फर्जी प्राथमिकी दर्ज कराने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी कंपनी प्रबंधन को मौके पर बुलाने और दर्ज प्राथमिकी वापस लेने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों के सड़क पर डटे रहने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर करीब चार घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार, रेशमी मेटालिक कंपनी गांव में ग्रामसभा की अनुमति के बिना झेन से सर्वे करा रही थी। ग्रामीणों ने जब इसका विरोध किया, तो कंपनी प्रबंधन ने कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ग्रामसभा की सहमति के बिना झेन उड़ाने का विरोध करने पर निर्दोष

घंटों ठप रहा एनएच-99

लोगों को झुठे मामलों में फंसाया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि गांव से जुड़े किसी भी काम के लिए ग्रामसभा की सहमति जरूरी है। प्रदर्शन में पूर्व मुखिया विकास भगत, शंकर उरांव, रामचंद्र भगत और संजीव कुमार समेत कई ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों की मांग है कि कंपनी प्रबंधन मौके पर पहुंचकर अपना पक्ष रखे और उनके खिलाफ दर्ज सभी प्राथमिकी तत्काल वापस ले। एनएच-99 पर जाम की सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह और सीआई गोविंद कुमार गुप्ता के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने और मामले का समाधान निकालने का प्रयास किया।

91 वर्षों से आस्था का केंद्र है बाघोपुर का माता वैष्णवी मनोकामना दुर्गा मंदिर

भव्य पूजा पंडाल, आकर्षक प्रतिमाएं, मेला और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण का केंद्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता शिवाजीनगर। प्रखंड के बंधार पंचायत स्थित बाघोपुर बाजार का माता वैष्णवी मनोकामना दुर्गा मंदिर पिछले 91 वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां प्रत्येक वर्ष शारदीय नवरात्र के अवसर पर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना श्रद्धा और उत्साह के साथ की जाती है। इस वर्ष भी दुर्गा पूजा को भव्य रूप देने के लिए पूजा समिति की ओर से तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। पूजा परिसर में भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा के साथ अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। पूजा स्थल और आसपास के क्षेत्रों को आकर्षक रोशनी से सजाने की तैयारी की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करने की भी तैयारी ज़ोरों पर है। पूजा समिति के अनुसार, वर्ष 1935 से यहां दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है। समय के साथ इस पूजा की प्रसिद्धि आसपास के



गांवों तक फैल गई है। नवरात्र के दौरान शिवाजीनगर, रोसड़ा और खानपुर प्रखंड सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। माता के झुला, मौना बाजार, मौत का कुआं, ब्रेक डांस तथा मनोरंजन के अन्य साधन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। आकर्षक पंडाल, मां दुर्गा की प्रतिमा और धार्मिक दृश्यों को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। पूजा समिति के सदस्य श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्रामीणों का सहयोग लिया जा रहा है। समिति ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण ढंग से पूजा में भाग लेने और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है। पूजा समिति एवं सहयोगकर्ता पूजा समिति के अध्यक्ष जनक महतो एवं सचिव मिथिलेश साहनी सहित अमरजीत कुशवाहा, दिनेश साहनी, चुनचुन साहनी, अशोक साहनी, सुरेश महतो, गणेश साहनी, रामसमर साहनी, अरुण साहनी, सुधीर साहनी, राहुल कुमार, संजय साहनी, गरीब लाल साहनी, कन्हैया साहनी और राजू कुशवाहा सहित अन्य ग्रामीण पूजा की तैयारियों एवं आयोजन में सहयोग कर रहे हैं।

प्रखण्ड कार्यालय में ग्रेन एटीएम की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता जमशेदपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक तेज, आसान और पारदर्शी बनाने के लिए देश भर में तकनीकी का दायरा बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में अब राशन दुकानों की लंबी कतारों और तौल में गड़बड़ी से राहत दिलाने के लिए ग्रेन एटीएम (अन्नपूर्ति मशीन) की शुरूआत की जा रही है। झारखंड के जमशेदपुर में इस दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में स्थापित किए गए ग्रेन एटीएम का ट्रायल पूरी तरह सफल रहा है। शुक्रवार को मशीन से अनाज निकालने और उसके वजन की सटीक जांच की गई, जिसके बाद अब इसके औपचारिक उद्घाटन और नियमित संचालन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यह आधुनिक मशीन राशन कार्डधारकों को उनके निर्धारित

कोटे के अनुसार तुरंत गेहूं और चावल उपलब्ध कराएगी। इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत इसकी गति और सटीकता है। अन्नपूर्ति मशीन के माध्यम से महज पांच मिनट के भीतर 50 किलोग्राम तक अनाज प्राप्त किया जा सकता है। इसमें लाभार्थी का बायोमेट्रिक सत्यापन राशन कार्ड या पहचान पत्र से जुड़ी प्रणाली के आधार पर किया जाता है। सत्यापन पूरा होते ही निर्धारित मात्रा में अनाज सीधा थैले में आ जाता है। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि तौल में किसी भी प्रकार की हेराफेरी और अनाज की बबांदी पर भी रोक लगेगी। देशभर में इस स्वचालित राशन वितरण व्यवस्था का दायरा तेजी से फैल रहा है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में अगस्त 2024 से 24 घंटे संचालित होने वाला ग्रेन एटीएम सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है।

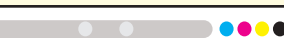
फर्जी नीलामी मामले में ईओयू की कार्रवाई शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता गोपालगंज। बिहार पुलिस मुख्यालय की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने शराब जल्ती, फर्जी नंबर प्लेट और वाहन की कथित अवैध नीलामी से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए एक सहायक पुलिस अवर निरीक्षक (एसएसआई) समेत तीन कर्मियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह मामला वर्ष 2020 में गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाने में शराब के साथ एक स्कॉर्पियो जब्त किए जाने से जुड़ा है। आरोप है कि वाहन के फर्जी पंजीकरण नंबर के आधार पर उसकी नीलामी की प्रक्रिया पूरी कर दी गई, जबकि गाड़ी पहले ही चोरी हो चुकी थी और उसका असली मालिक रोहतास जिले का निवासी था। पटना उच्च न्यायालय के आदेश के बाद जूट प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। मामले 19 जून 2020 का है। उस दिन गोपालगंज जिले के सिधवलिया थाने की पुलिस ने करीब 340 लीटर शराब के साथ एक स्कॉर्पियो जब्त की थी। गाड़ी पर फर्जी पंजीकरण नंबर लगा हुआ था। इस संबंध में सिधवलिया थाना कांड संख्या 125/2020 दर्ज किया गया था। मामले की जांच तत्कालीन सव-ईंस्पेक्टर राजेंद्र राम को सौंपी गई थी।

विवाहिता ने नदी में लगायी छलांग

डेहरी ऑन सोन। जकखी बीघा के पास एनएच-19 की सर्विस लेन स्थित पुल पर शनिवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। करीब छह महीने पहले प्रेम विवाह

करने वाले पति-पत्नी के बीच विवाद के दौरान पत्नी लक्ष्मी कुमारी (22) ने कथित तौर पर पुल से नहर में छलांग लगा दी। उसे बचाने के प्रयास में पति करण कुमार (25) ने भी छलांग लगा दी। पति सुरक्षित बाहर निकल आया, लेकिन पत्नी का पता नहीं चला। तलाश की जा रही है। सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंच घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार लक्ष्मी कुमारी मणिनगर के दीपू पासवान की बेटी थी। लक्ष्मी और करण ने करीब छह महीना पहले प्रेम विवाह किया था। बताया जाता है कि शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। पिछले करीब दस दिनों से दोनों अपने घर पर ही रह रहे थे। करण कुमार के अनुसार, भूत-प्रेत से जुड़ी मान्यताओं को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर कहासुनी होती थी।



दुर्गा पूजा को ले पुलिस प्रशासन चौकस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता हाजीपुर। आगामी दुर्गा पूजा पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण एवं शांति-व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस उप महानिरीक्षक, तिरहुत क्षेत्र, मुजफ्फरपुर चंदन कुमार अग्रवाल द्वारा वैशाली में पुलिस की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा,सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार,रक्षित डीएसपी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान पुलिस केन्द्र में गठित विभिन्न टीमों की कार्यक्षमता, तत्परता एवं दंगा नियंत्रण कृयासवा द्वारा वैशाली में पुलिस की तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। साथ ही, आपातकालीन परिस्थितियों एवं संभावित विधि-व्यवस्था संबंधी चुनौतियों से निपटने हेतु उपलब्ध संसाधनों, सुरक्षा उपकरणों तथा परिस्थितिजन्य रणनीतियों की समीक्षा की गई। डीआईजी ने पुलिस बल को किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई करते हुए न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुंचने, प्रभावी

समन्वय स्थापित करने तथा स्थिति को नियंत्रित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों और जवानों को भीड़ नियंत्रण, उपद्रवियों से निपटने और संवेदनशील इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के टिप्प दिए। उन्होंने कहा कि पूजा के दौरान असाમાजिक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाए और सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जाए ताकि किसी तरह की अफवाह न फैले। पुलिस ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। सभी थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें की जा रही हैं और पूजा पंडालों की सुरक्षा को लेकर भी विशेष योजना बनाई गई है। पुलिस आगामी दुर्गा पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है। पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल सतर्क, सजग एवं तत्पर है।

राजद प्रदेश कमेटी में बड़े बदलाव के संकेत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पटना। राष्ट्रीय जनता दल की परेशानी का एक बड़ा कारण गुटबाजी भी है। अब शीर्ष नेतृत्व ने इस पर पूर्णतया नियंत्रण की रूप-रेखा तैयार कर ली है। इसकी शुरूआत जिलाध्यक्षों को अधिक अधिकार देकर होगी। इससे जिलों में दो पावर सेंटर नहीं होंगे। अपने जिले में संगठन से जुड़े निर्णयों में जिलाध्यक्ष की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण होगी और वे अंतिम रूप से निर्णायक होंगे। अब तक प्रदेश नेतृत्व के स्तर से प्रधान महासचिव की घोषणा होती रही है। अब जिलाध्यक्ष उनका चयन करेंगे। इससे समानांतर प्रभाव रखने वाले दो केंद्रों की नीबट नहीं बनेगी। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में हार और पार्टी के आधार मतों में बदलाव के संकेत के बाद संगठनात्मक स्तर पर परिवर्तन का निर्णय लिया गया। उसके लिए पहले प्रदेश से लेकर जिला, प्रखंड, पंचायत स्तर तक की कमेटियां भंग की गईं। फिर जिलाध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया शुरू हुई। बहरहाल जाति-धर्म के बजाय योग्यता के आधार पर जिलाध्यक्षों का चयन हो चुका है। घोषणा मात्र बाकी है, जो यथाशीघ्र होगी। नए जिलाध्यक्षों को पर्याप्त अधिकार मिलेंगे। जिला स्तर पर सांगठनिक मसलों में उनकी निर्णायक भूमिका होगी और पदाधिकारियों का मनोनयन उनके स्तर से होगा। प्रधान महासचिव अब जिलाध्यक्षों के निर्देश का

अक्षरशः अनुपालन करेंगे। युवा वय का कार्यकारी अध्यक्ष होगा, जो प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल को उनके कार्यों में सहयोग करेंगे। नई प्रदेश कमेटी में प्रधान महासचिव और कोषाध्यक्ष के साथ 12 उपाध्यक्ष और 20 महासचिव बनाए जा सकते हैं।

पुलिस ने निकाली कब्र से लाश अररिया। सिमराहा थाना क्षेत्र की मुसहरी पंचायत स्थित कुड़वा लक्ष्मीपुर ऋषिदेव टोला, वार्ड संख्या नौ में नवविवाहिता की सदिध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका का नाम राजमणि देवी (19) पति शंकर ऋषिदेव है। इस संबंध में मृतका के भाई विपिन कुमार ऋषिदेव ने अपनी बहन की ससुराल वालों द्वारा तीन दिन पूर्व सात अक्टूबर को फांसी लगाकर हत्या कर शव को दफनाने का आरोप लगाते हुए सिमराहा थाना में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है।



लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचार आज भी प्रासंगिक : डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी

► **जेपी का जीवन आज भी प्रासंगिक : संजय मयूख** ► **पद्मश्री डॉ. विमल जैन की पुस्तक का लोकार्पण**

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती की पूर्व संध्या पर जेपी विचार मंच के तत्वावधान में आईआईबीएम सभागार में भव्य संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के व्यक्तित्व, कृतित्व, वैचारिक दर्शन, सामाजिक परिवर्तन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा भारतीय लोकतंत्र की रक्षा में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने जेपी के जीवन संघर्ष को याद करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी देश के युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिक नेतृत्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में जेपी आंदोलन से जुड़े संस्मरणों के माध्यम से उस ऐतिहासिक दौर को याद किया गया जिसने भारतीय राजनीति और लोकतांत्रिक चेतना



को नई दिशा प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता बिहार विधान परिषद के सदस्य एवं जेपी विचार मंच के अध्यक्ष डॉ. संजय प्रकाश मयूख ने की। बिहार सरकार के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि किरण घई ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अतिरिक्त बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के

मुख्य सचेतक डॉ. संजीव चौरसिया, पद्मश्री डॉ. विमल जैन, कुमार राघवेंद्र एवं रोहित सिंह सहित कई गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। **जेपी आंदोलन के संस्मरणों ने जीवंत किया ऐतिहासिक दौर** मुख्य अतिथि कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी ने अपने संबोधन में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जीवन और उनके

नेतृत्व में चले ऐतिहासिक आंदोलन से जुड़े अनेक संस्मरण साझा किए। उनके वक्तव्य में आंदोलन के विभिन्न प्रसंगों का ऐसा जीवंत चित्रण देखने को मिला कि सभागार में उपस्थित लोगों को उस दौर की घटनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव होने लगा। उन्होंने जेपी के संघर्ष, उनकी वैचारिक दृढ़ता, अनुशासन और अहिंसा के प्रति अटूट विश्वास को रेखांकित किया। डॉ. प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जीवन आज भी

परिवर्तन तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका व्यापक उद्देश्य व्यवस्था में सुधार, जनभागीदारी के बढ़ावा देना और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना था।

जेपी ने युवा शक्ति को दिया रचनात्मक नेतृत्व : किरण घई विशिष्ट अतिथि किरण घई ने अपने संबोधन में कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जीवन और उनके विचार आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं। **डॉ. संजय प्रकाश मयूख ने जेपी के आदर्शों को बताया प्रेरणास्रोत**

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. संजय प्रकाश मयूख ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण का जीवन आज भी प्रेरक और प्रासंगिक है। उनके विचार समाज को सकारात्मक दिशा देने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए आत्मबोध और संवेदनशील संवाद आवश्यक : डॉ. श्रुति नारायण

देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर संवादात्मक सत्र आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विद्यापीठ के देशरत्न राजेंद्र प्रसाद शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सदाकत आश्रम में गाइडेंस एंड काउंसिलिंग सेल के तत्वावधान में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर ‘मन के पन्ने : कहानी कहने के जरिए अपनी वास्तविक आवाज साझा करना एवं कक्षा-कक्ष में मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देना’ विषय पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। सत्र की मुख्य वक्ता पटना विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ साइकालॉजी की सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रुति नारायण थीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप



प्रज्वलन के साथ हुआ। महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ. पूनम वर्मा एवं बिहार विद्यापीठ की निदेशक (शिक्षा, संस्कृति एवं संग्रहालय) डॉ. मुदुला प्रकाश ने मुख्य वक्ता डॉ. श्रुति नारायण को स्मृति-चिन्ह एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। अतिथियों का स्वागत सहायक प्राध्यापक मिताली मित्रा ने किया। विषय-प्रवेश करते हुए सहायक प्राध्यापक रजनी रंजन ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य

केवल मानसिक रोगों की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि व्यक्ति के विचारों, भावनाओं, व्यवहार और सामाजिक संबंधों में संतुलन की स्थिति है। शिक्षक-प्रशिक्षण के संदर्भ में इसका विशेष महत्व है क्योंकि एक शिक्षक की भावनात्मक सजजाता, संवेदनशीलता और सकारात्मक दृष्टिकोण विद्यार्थियों के सीखने के वातावरण को प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहानी कहने और अपने

अनुभव साझा करने की प्रक्रिया को आत्म-अभिव्यक्ति, आत्मबोध तथा दूसरों की भावनाओं को समझने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि कक्षा-कक्ष ऐसा सुरक्षित और सहयोगपूर्ण स्थान होना चाहिए जहां विद्यार्थी बिना भय, संकोच या उदास के अपनी बात रख सकें। मुख्य वक्ता डॉ. श्रुति नारायण ने मानसिक स्वास्थ्य के व्यावहारिक और मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए आत्म-जागरूकता, भावनाओं की पहचान एवं अभिव्यक्ति, तनाव के प्रबंधन, सक्रिय श्रवण और सहानुभूतिपूर्ण संवाद की महत्ता समझाई। कार्यक्रम के अंत में बिहार विद्यापीठ की

निदेशक (शिक्षा, संस्कृति एवं संग्रहालय) डॉ. मुदुला प्रकाश ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के साथ दूसरों की भावनाओं और परिस्थितियों के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डी.एल.एड. प्रशिक्षु गायत्री कुमारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक सौरभ कुमार ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रचार्या डॉ. पूनम वर्मा, बिहार विद्यापीठ के संयुक्त सचिव अवधेश के नारायण, एआईसी के सीओओ प्रमोद कुमार कर्ण, महाविद्यालय के शिक्षकगण, प्रशिक्षु एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ. अच्युत शंकर ने रचा नया कीर्तिमान

लगातार चौथे वर्ष विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों में शामिल
नवबिहार टाइम्स संवाददाता
पटना। डॉ. अच्युत शंकर ने अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्हें रैनेनकोर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका और एल्सेवियर द्वारा जारी विश्व के शीर्ष वैज्ञानिकों की प्रतिष्ठित सूची में लगातार चौथे वर्ष (2023, 2024, 2025 और 2026) स्थान प्राप्त हुआ है। ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इमेज प्रोसेसिंग, नेटवर्किंग और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट शोध योगदान के लिए उन्हें लगातार चार वर्षों से विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल किया गया है। वर्ष 2026 की उपलब्धि विशेष रूप से ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। इस वर्ष डॉ. शंकर ने वैश्विक स्तर पर 23,864वीं रैंक और भारत में 365वीं रैंक प्राप्त करते हुए विश्व के शीर्ष 0.5% वैज्ञानिकों में अपना स्थान बनाया है।



इससे पहले वर्ष 2025 में उन्होंने विश्व के शीर्ष 1% वैज्ञानिकों की श्रेणी में स्थान प्राप्त किया था। यह उपलब्धि उनके निरंतर उत्कृष्ट शोध, वैज्ञानिक नवाचार और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते प्रभाव को दर्शाती है। इस उपलब्धि को और अधिक महत्वपूर्ण बनाते हुए डॉ. शंकर को वर्ष 2026 में प्रतिष्ठित करियर-लॉन्ग इम्पैक्ट लिस्ट में भी शामिल किया गया है। डा. अच्युत शंकर औरंगाबाद निवासी हैं और डीएवी पब्लिक स्कूल के पूर्व निदेशक स्मृतिशेष डा. यू.एस. प्रसाद के सुपुत्र हैं।

मां सीता विश्वविद्यालय से जुड़े हितधारकों से विमर्श किए बिना कोई कदम नहीं उठाया जाए : सीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रस्तावित मां सीता महिला विश्वविद्यालय के संबंध में कोई भी कार्रवाई संबंधित हितधारकों के साथ बैठक और उनके सुझावों पर विचार करने के बाद ही की जाएगी। इस संबंध में मुख्य मंत्री समाट चौधरी ने मंत्री ने उच्च शिक्षा विभाग के मंत्री को निर्देश दिया है कि विश्वविद्यालय से जुड़े हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किए बिना कोई कदम नहीं उठाया जाए। निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय के संबंध में आगे की कार्रवाई से पहले इससे जुड़े सभी हितधारकों के विचार और सुझाव लिए जाएं। उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं और सुझावों को ध्यान में रखते हुए ही आगे की प्रक्रिया निर्धारित की जाए। फिलहाल राज्य में चल रही निर्वाचन प्रक्रिया के कारण इस मामले में तत्काल आगे बढ़ने के बजाय निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने तक प्रतीक्षा करने को कहा गया है। निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद हितधारकों के साथ बैठक और विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद प्राप्त सुझावों और संबंधित पहलुओं पर विचार करते हुए मां सीता महिला विश्वविद्यालय के संबंध में आगे का निर्णय लिया जाएगा।



जाए। फिलहाल राज्य में चल रही निर्वाचन प्रक्रिया के कारण इस मामले में तत्काल आगे बढ़ने के बजाय निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने तक प्रतीक्षा करने को कहा गया है। निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद हितधारकों के साथ बैठक और विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद प्राप्त सुझावों और संबंधित पहलुओं पर विचार करते हुए मां सीता महिला विश्वविद्यालय के संबंध में आगे का निर्णय लिया जाएगा।

सुरोत्सव के दूसरे दिन कलाकारों ने बांधा समां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी के रवीन्द्र भवन में शनिवार को स्पीक मैके व श्रीम एजुकेशनल ट्रस्ट की ओर से आयोजित सुरोत्सव के दूसरे दिन हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत गायिका विरुषी मनाली बोस व पद्मश्री पंडित तरुण भट्टाचार्य ने अपनी गायकी से लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि शास्त्रीय संगीत हमारे मन को स्थिरता व मधुरता का भाव देता है हमारी पौराणिक धरोहरों को याद दिलाता है। बताते चलें कि विरुषी मनाली बोस हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की



एक जानी-मानी गायिका हैं जो अपने भावपूर्ण ख्याल और ठुमरी गायन के लिए मशहूर हैं। उन्होंने प्रतिष्ठित आईटीसी संगीत रिसर्च अकादमी में श्रीमती देवजानी बसु और पंडित अरुण भादुड़ी से प्रशिक्षण लिया है और विरुषी गिरिजा देवी, पंडित अजय चक्रवर्ती और पंडित उल्हास कशालकर जैसे दिग्गजों से भी मार्गदर्शन प्राप्त किया है। उनके साथ तबले पर पंडित राम

कुमार मिश्रा और हारमोनियम पर सतपाल हुसैन संगत किया जो मधुर संगीत और लयबद्ध कलाकारी से भरी एक शाम पेश किया। वहीं पद्म श्री पंडित तरुण भट्टाचार्य, जो भारत के प्रमुख संतूर वादकों में से एक हैं और पंडित देवाशीष भट्टाचार्य, जो भारतीय शास्त्रीय स्लाइड गिटार के विश्व-प्रसिद्ध कलाकार हैं, एक पारंपरिक जुगलबंदी पेश करेंगे।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। क्रॉम्पटन ग्रीक्स कंज्यूम इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने इंटेलिसेंस स्मार्ट प्रो वायरलेस वॉटर लेवल कंट्रोलर पेश किया है। इसमें कंट्रोल पैनल, ऑटोमैटिक पंप संचालन और ऐप के जरिए रिमोट मॉनिटरिंग की सुविधा दी गई है। लोरा टेक्नोलॉजी की आधारित यह सिस्टम सातवीं मंजिल तक वायरलेस कनेक्टिविटी संप्रेष करता है। टैंक खाली होने पर अपने आप चालू और भरने पर बंद हो जाता है। क्रॉम्पटन सेंजे ऐप के जरिए पानी का स्तर देखने, पंप नियंत्रित करने, 10 तक शेड्यूल सेट करने और खराबी के अलर्ट प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। इसमें वोल्टेज में उतार-चढ़ाव, ओवरलोड और ड्राई-रन से सुरक्षा में मदद करने वाली सुविधाएं हैं। आर्पी65 वेदप्रकू रेटिंग वाला यह कंट्रोलर 2 एचपी तक के सिंगल-फेज सबमर्सिबल और ओपनवेल पंपों के लिए उपयुक्त है। क्रॉम्पटन के पंप्स एंड किचन अप्लायंसेज बिजनेस हेड आनंद कुमार एन ने कहा कि इस उत्पाद में जल प्रबंधन और पंप सुरक्षा की सुविधाओं को एक ही सिस्टम में उपलब्ध कराया गया है जिससे घरेलू जल आपूर्ति का प्रबंधन आसान हो सकता है। यह उत्पाद देशभर के रिटेल स्टोर्स और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इसके साथ 12 महीने की वारंटी और मुफ्त इंस्टॉलेशन मिलता है।

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोदी सरकार ने नवरात्र में कलश स्थापना रोकी : असितनाथ तिवारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के संयोजक और प्रदेश प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार ने देवी की उपासना में बाधा पहुंचाई है। रोजी-रोजगार के लिए दिल्ली में रह रहे बिहारियों को नवरात्र के दौरान कलश स्थापना के लिए उनके गांव-घर आने से जबरन रोका गया है। तिवारी ने कहा कि रविवार को कलश स्थापना दिवस है लिहाजा, प्रवासी बिहारी शुक्रवार को दिल्ली से बिहार लौट रहे थे, लेकिन केंद्र सरकार के एक तानाशाही आदेश के बाद रेलवे ने बिहार आने वाली गाड़ियां रद्द कर दी और लोग कलश स्थापना के लिए अपने घर नहीं पहुंच पाए। भाजपा सरकार ने लाखों लोगों के घर कलश स्थापना नहीं होने दी। एक बड़ी साजिश का तहत ट्रेन और बसों को रोका गया। भाजपा ने हमेशा धार्मिक आस्थाओं पर हमले किए हैं और देवी दुर्गा के उपासक हमेशा उसके निशाने पर रहे हैं।

जेपी सेनानी पेंशन योजना के लंबित मामलों का करें त्वरित निष्पादन : डॉ. प्रेम कुमार



नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को उनके कार्यालय कक्ष में गृह विभाग के पदाधिकारियों के साथ जेपी सेनानी सम्मान पेंशन योजना को लेकर बैठक हुई। बैठक में योजना के तहत पेंशन प्राप्त कर रहे लाभार्थियों, लंबित आवेदनों तथा पेंशन भुगतान से संबंधित मामलों की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान अध्यक्ष ने पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पेंशन भुगतान

से जुड़े मामलों में आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा लंबित आवेदनों का नियमानुसार त्वरित निष्पादन किया जाए। बैठक में योजना के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करते हुए लाभार्थियों को किसी तरह की अनावश्यक परेशानी नहीं होने देने तथा मामलों के समयबद्ध निपटारे की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक में कारा महानिरीक्षक रजनीश कुमार सिंह, गृह विभाग के वरीय पदाधिकारी तथा विधानसभा सचिवालय के प्रभारी सचिव संजय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र में अतिक्रमण पर होगी कार्रवाई : नवीन कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (बियाडा) के प्रबंध निदेशक नवीन कुमार ने शनिवार को पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण कर डेटा सेंटर, आधारभूत संरचनाओं और औद्योगिक इकाइयों की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने यातायात प्रबंधन, स्वच्छता, अतिक्रमण, अवैध निर्माण और सुविधाओं के रखरखाव से जुड़े मामलों में समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण में रावी इंडस्ट्री, रेकॉन एंगिकॉन प्राइवेट लिमिटेड, यूनो डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड, एसएलएमजी बेवेरेज, प्रिअस सिस्टम एलएलपी, कंट्रोलएस, अम्बे इन्फ्रा ग्रीन, एरॉन हेल्थकेयर, बिहार ट्रेड टावर, अनियंत्रित आवागमन रोकने के लिए सभी प्रवेश द्वारों पर नियंत्रित प्रवेश



एकटेड इंडस्ट्रीज, सिव मिल इंडस्ट्रीज, तिरुपति इंडस्ट्रीज और रूबी फास्टनर का जायजा लिया गया। निजी वाहनों का विजयम एजुकेशनल ट्रस्ट, मां री-रोलिंग मिल, पूजा प्रिंटक, सत्य एंटरप्राइजेज,

व्यवस्था लागू करने तथा सड़कों के किनारे रखी निर्माण सामग्री हटाने के निर्देश दिए गए। कचरा हटाने, नियमित सफाई और सड़क किनारे कचरा फेंकने पर रोक के लिए माइकिंग व नोटिस जारी करने को कहा गया। पॉलिटेक्निक और साई मंदिर के निकट बियाडा की जमीन पर अनधिकृत वाहन पार्किंग के मामले में कार्रवाई तथा मंदिर संचालक को कथित अवैध भवन निर्माण पर नोटिस देने का निर्देश दिया गया। सीवर मरम्मत के बाद सड़क बहाल नहीं करने पर बुडको से पुनर्स्थापना खर्च वसूलने के लिए पत्र जारी करने को कहा गया। स्वीकृत नक्शे के अनुसार निर्माण की निगरानी बियाडा के अभियंता करेंगे। कार्यपालक निदेशक (ऑपरेशंस) संबंधित उप महाप्रबंधकों के साथ कार्रवाई की नियमित समीक्षा करेंगे।

जेएनयू में कथित यौन शोषण के आरोपों पर भाजपा का प्रदर्शन, सरकार से कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जेएनयू के प्रोफेसर एवं कांग्रेस नेता अंगोमचा बिमोल कोजाैम पर बर्चियों के कथित यौन शोषण के आरोपों को लेकर शनिवार को भाजपा ने कांग्रेस के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन किया। भाजपा आबोसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद सिंह चंद्रवंशी के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया। इसमें महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए ढाकबंगला चौराहे पर पुतला दहन किया। प्रमोद सिंह चंद्रवंशी ने कहा कि मामले में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व, विशेषकर राहुल गांधी की ओर से सार्वजनिक निंदा नहीं किए जाने पर सवाल उठते हैं। उन्होंने आरोपों की



निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि गृह-शिष्य के पवित्र रिस्ते से जुड़े ऐसे आरोप समाज में चिंता पैदा करते हैं। महिला सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों के मुद्दे पर राजनीतिक चुप्पी स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर भी कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाए और कहा कि महिलाएं अपने अधिकारों

के प्रति जागरूक हैं तथा लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएंगी। प्रदर्शन में संजीव चौरसिया, प्रीति शेखर सिंह, नितिन अभिषेक, अनीता देवी, संजय निषाद, वीरेंद्र चंद्रवंशी, प्रदीप निषाद, आजाद गांधी, अभय सिंह, चिंता मिश्रा, लालबाबू गुप्ता, संजय चौहान, अचल सिन्हा, विकास शर्मा और मुदुला शर्मा सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आम लोग उपस्थित रहे।

बिहार में डिजिटल न्याय की पहल, इ-ग्राम कचहरी पोर्टल पर 44 हजार से अधिक वादों का निपटारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के ग्रामीणों को अब छोटे-मोटे विवादों के लिए जिला अदालतों के चक्कर नहीं काटने पड़ रहे हैं। पंचायती राज विभाग के ई-ग्राम कचहरी पोर्टल ने गांव में ही न्याय की अवधारणा को मजबूती दी है। जनवरी 2025 से अब तक की अवधि में पोर्टल पर दर्ज कुल वादों में से 44 हजार से अधिक मामलों का समाधान कर लिया गया है। निपटाए गए मामलों में जमीन-जायदाद और आपसी लेन-देन से जुड़े 22 हजार से अधिक दीवानी वाद और मारपीट जैसे भी लगभग 22 हजार फौजदारी वाद शामिल हैं। इस डिजिटल व्यवस्था से

ग्रामीणों के समय और धन दोनों की बचत हो रही है। दीवानी और फौजदारी मामलों को सुलझाने में पश्चिम चंपारण जिला अख्तल रहा है। यहां कुल 1,965 वाद दर्ज हुए जिनमें से 1,812 मामलों का निपटारा हुआ जो कुल दर्ज मामलों का 92 प्रतिशत है। निपटाए गए मामलों में 1,235 दीवानी और 625 फौजदारी वाद शामिल हैं। इसके बाद लखीसराय ने बेहतर प्रदर्शन किया जहां दर्ज 1,304 मामलों में से 994 यानी 76 प्रतिशत वादों का समाधान हुआ। मधेपुरा में 1,433 दर्ज मामलों में से 1,062 यानी 74 प्रतिशत मामलों का निपटारा किया जा चुका है।



इसके माध्यम से युवाओं के समझ आने वाली भावनात्मक एवं सामाजिक चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया गया। ‘वैवाहिक सम्पत्त्य के रहस्य’ विषय पर साइकोड्रामा अर्थात नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से पारस्परिक संबंधों, संवाद और आपसी समझ के महत्व को दर्शाया गया। मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक कलंक पर आयोजित

व्याख्यान ने जागरूकता बढ़ाने और सहायता लेने वाले व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील एवं सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। ‘देखभाल करने वालों की देखभाल’ विषय पर विशेष सत्र में दूसरों की देखभाल करने वाले व्यक्तियों की भावनात्मक आवश्यकताओं और उनके मानसिक कल्याण पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया गया।

संपादकीय

विडंबना है कि हादसे के बाद व्यवस्था अचानक जागती है। मुआवजे की घोषणा होती है, जांच बैठती है, जिम्मेदारों पर कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है और कुछ समय बाद सब सामान्य हो जाता है। किसी को चिंता नहीं सताती कि अगली इमारत कब गिरेगी और उसके नीचे कौन दबेगा। दिल्ली के सीमापुरी इलाके में चारमंजिला इमारत ढहने की घटना को महज एक हादसा कहकर आगे बढ़ना

आसान है, लेकिन सवाल यही है कि राजधानी में ऐसी दुर्घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। सवाल इमारत ढहने का ही नहीं, तंत्र की नाकामी का भी है। अगर किसी इमारत में दरारें दिख रही थीं, तो क्या किसी जिम्मेदार तंत्र की नजर उस पर नहीं थी? क्या राजधानी में जर्जर और जोखिम वाली इमारतों का कोई अभिलेख नहीं है? क्या लोगों की जान बचाने के लिए किसी इमारत के मलबे में बदलने

का इंतजार जरूरी है? पिछले महीने सत्य निकेतन की घटना अभी भी लोगों की जेहन में ताजा है। वहां भी हादसे की जिम्मेदारी तय करने के आश्वासन मिले। मगर उन घटनाओं से व्यवस्था ने क्या सबक लिया?विडंबना है कि हादसे के बाद व्यवस्था अचानक जागती है। मुआवजे की घोषणा होती है, जांच बैठती है, जिम्मेदारों पर कार्रवाई का भरोसा दिया जाता है और कुछ समय बाद सब सामान्य

हो जाता है। किसी को चिंता नहीं सताती कि अगली इमारत कब गिरेगी और उसके नीचे कौन दबेगा।

सवाल यह कि आखिर जिम्मेदार कौन है? केवल भवन मालिक? अवैध निर्माण करने वाला? निर्माण की अनुमति देने वाला? निरीक्षण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी? या फिर वह पूरी प्रशासनिक व्यवस्था, जो खतरे को देखते हुए भी समय रहते निर्णायक कदम नहीं उठाती?

जिम्मेदारी जितनी बंदी हुई दिखाई देती है, जवाबदेही उतनी ही गायब नजर आती है।राजधानी में सुरक्षित आवास कोई विलासिता नहीं, नागरिक का बुनियादी अधिकार है। इसलिए जरूरी है कि जोखिम वाली इमारतों का नियमित संरचनात्मक सर्वेक्षण हो, उन्हें खाली कराने और सुरक्षित पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था बने और लापरवाही साबित होने पर जिम्मेदारी ऊपर तक तय हो।

मुआवजा मृत लोगों को वापस नहीं ला सकता और जांच किसी परिवार की उजड़ी दुनिया फिर से नहीं बसा सकती।दिल्ली को ऐसी व्यवस्था चाहिए जो मलबा हटाने में दक्ष होने से पहले किसी इमारत को ढहने से रोकने में सक्षम हो। वरना हर अगली ढहती इमारत यही गवाही देगी कि यहां मौत अचानक नहीं आती, व्यवस्था की लापरवाही ऐसी स्थिति को धीरे-धीरे तैयार करती है।

पास होकर भी दूर क्यों हो रहे हैं लोग? रिश्तों पर भारी पड़ती स्क्रीन की दुनिया

(पवन शर्मा)

कभी-कभी लगता है कि आदमी को अब दूर होने के लिए दूरी की जरूरत नहीं रह गई। दुनिया के किसी कोने में बैठे व्यक्ति से पल भर में बात हो सकती है, उसकी तस्वीर देखी जा सकती है, उसके जीवन की छोटी-बड़ी खबर मिल सकती है। मगर बगल में बैठे आदमी से बात करने के लिए समय नहीं है। एक ही छत के नीचे रहने वाले लोग अलग-अलग स्क्रीन में झुके हुए हैं और एक-दूसरे की उपस्थिति से लगभग बेखबर।

एक समय था, जब किसी के घर जाना सूचना के आदान-प्रदान का नहीं, संबंध निभाने का अवसर होता था। दरवाजे पर दस्तक देने से पहले फोन की जरूरत नहीं पड़ती थी। सामने वाला चौकता जरूर था, लेकिन उस चौकने में खुशी होती थी। चाय बनती, हालचाल पूछा जाता, मोहल्ले भर की बातें होतीं, जीवन में रस बना रहता था। अब मिलने से पहले संदेश जाता है- ‘फो हो?’ फिर उतर आता है- ‘देखता हूं।’ और कई बार यही दो शब्द मुलाकात की जगह ले लेते हैं।

बदलते समय को केवल तकनीक के कठघरे में खड़ा करना आसान होगा, लेकिन पूरी सच्चाई इतनी सरल नहीं है। हमारी जिंदगी की रफ्तार बढ़ी है। काम के घंटे, यात्रा, आर्थिक दबाव, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की चिंता- सबने मिलकर मनुष्य के समय को टुकड़ों में बांट दिया है। अब समय केवल घड़ी की इकाई नहीं रहा। वह एक संसाधन है, जिसे लगातार किसी काम में लगाना है। ऐसे में बातचीत, बैठना, यों ही मिल लेना जैसी चीजें ‘फालतू समय’ की श्रेणी में चली गई हैं।

मगर मनुष्य के जीवन में जो चीजें सबसे अधिक जरूरी होती हैं, वे अक्सर किसी उत्पादकता की सूची में दर्ज नहीं होतीं। किसी की बात सुनना, किसी के साथ चुपचाप बैठना, बिना किसी उद्देश्य के टहलना, किसी पुराने परिचित का हाल पूछना- इनका कोई बाजार-मूल्य नहीं है, लेकिन इनका मानवीय मूल्य बहुत बड़ा है। सबसे अधिक मार शायद उन बुजुर्गों पर पड़ती है, जिनके जीवन का बड़ा हिस्सा संबंधों को सींचते हुए बीता है। जिन माता-पिता ने बच्चों की जरूरत को अपने आप से भी ऊपर रखा, वे उस के उस पड़ाव पर पहुंचकर कई बार केवल इतना चाहते हैं कि कोई कुछ देर उनके पास बैठ जाए। उनके पास कहने को बहुत कुछ होता है- पुरानी यादें, बदलते शहर की बातें, परिवार की चिंता, अपनी तकलीफें। मगर सुनने वाले अक्सर जल्दी में होते हैं।

बच्चों और किशोरों के पास भी मनोरंजन के अनगिनत साधन हैं। एक क्लिक पर वीडियो, खेल, संगीत और हजारों सूचनाएं मौजूद हैं। फिर भी उन्होंने ऐसे व्यक्ति की जरूरत रहती है,

जो उनकी बात पूरी सुने और तुरंत फैसला सुनाने के बजाय उन्हें समझने की कोशिश करें। किसी बच्चे के लिए यह जानना बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है कि घर में कोई ऐसा व्यक्ति है, जिसके सामने वह बिना डरे अपनी बात कह सकता है।

यहीं ‘संपर्क’ और ‘संबंध’ के बीच का फर्क सामने आता है। संपर्क हमें सूचना देता है कि कोई व्यक्ति कहाँ है, क्या कर रहा है, किसके साथ है। संबंध यह जानने की कोशिश कराता है कि वह भीतर से कैसा है। संपर्क में प्रतिक्रियाएं तेज होती हैं, संबंध में धैर्य चाहिए। शायद इसीलिए आज के समय में सबसे मूल्यवान चीज समय ही नहीं, किसी को दिया गया अविभाजित समय है।

किसी से बात करते हुए बार-बार मोबाइल की स्क्रीन देखना दरअसल यह संदेश देना है कि सामने वाला हमारी प्राथमिकता नहीं है। हमारे घरों में कुछ छोटी परंपराएं इस दूरी को कम कर सकती हैं। साथ बैठकर भोजन करना, दिन में कुछ देर बिना मोबाइल के रहना,

सप्ताह में एक शाम केवल परिवार के नाम करना, बच्चों के साथ बाहर टहलना, बुजुर्गों की बातें सुनना, पड़ोसी की कुशल पूछ लेना- ये मामूली काम हैं, लेकिन संबंधों की असली नींव भी शायद इन्हीं मामूली कामों में होती है। हमने सुविधा को जीवन का पर्याय मान लिया है। जो काम जल्दी हो जाए, उसे बेहतर समझते हैं। मगर हर मानवीय काम को जल्दी पूरा नहीं किया जा सकता। किसी दुख को सुनने में समय लगता है। किसी रिश्ते में भरोसा बनने में समय लगता है। किसी बच्चे को यह एहसास दिलाने में समय लगता है कि वह महत्वपूर्ण है। किसी बुजुर्ग की पुरानी कहानी सुनने में भी समय लगता है। जीवन की विडंबना यह है कि जिन चीजों के लिए समय देना सबसे जरूरी है, उन्हीं के लिए समय निकालना हमें सबसे कठिन लगता है। महानगरों की ऊंची इमारतों में लोग वर्षों तक पड़ोसी बने रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे के नाम से परिचित नहीं होते। लिफ्ट में साथ खड़े लोग एक-दूसरे की ओर देखने के

सामूहिकता अब भी जीवित है। समस्या संवेदना के खत्म हो जाने की नहीं, बल्कि उसके रोजमर्रा के जीवन से धीरे-धीरे बाहर हो जाने की है। दुनिया सचमुच छोटी हो गई है। संदेश पलक झपकते पहुंच जाता है, आवाज हजारों किलोमीटर पार कर लेती है और तस्वीरें सीमाओं को लांघ जाती हैं। अब जरूरत एक और तकनीकी क्रांति की नहीं, बल्कि थोड़ी-सी मानवीय वापसी की है। अगली बार कोई हमारे सामने बैठकर अपनी बात कहे, तो शायद हम फोन नीचे रख दें। किसी पुराने मित्र को बिना किसी काम के फोन कर लें। किसी अकेले पड़ोसी के दरवाजे पर दस्तक दे दें। संभव है, जब हम सचमुच किसी के पास बैठेंगे, तब पहली बार समझ पाएंगे कि मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने वाली सबसे आधुनिक तकनीक आज भी वही पुरानी चीज है- थोड़ी संवेदना, थोड़ा-सा समय और पूरी तरह उपस्थित रहने की इच्छा।

(शुभम)

नोबेल शांति पुरस्कार दुनिया के प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है। यह शांति और अंतरराष्ट्रीय भाईचारे को बढ़ावा देने में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को दिया जाता है। इस बार नावी पिछ्छई को यह पुरस्कार दिया गया है। भारतीय मूल की नवनेथम नावी पिछ्छई को 2026 का नोबेल प्राइज दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका की जज और वकील रह चुकीं नावी को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के लिए यह सम्मान मिला है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पुरस्कार किसे और क्यों दिया जाता है? इसकी शुरुआत स्वीडिश वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के आधार पर हुई थी। पहली बार इसे 1901 में नोबेल प्राइज दिया गया था। आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं और इंटरव्यू की तैयारी के लिए जीके और करेंट अफेयर्स में नोबेल पीस प्राइज से जुड़ी जानकारी आपके काम आ सकती है। इसलिए यहां पूरी जानकारी दी जा रही है।

क्यों दिया जाता है नोबेल शांति पुरस्कार ? – नोबेल शांति पुरस्कार की शुरुआत स्वीडिश वैज्ञानिक और उद्योगपति अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के आधार पर हुई थी। अल्फ्रेड नोबेल ने अपनी संपति का उपयोग अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को पुरस्कार देने के लिए निर्धारित किया था। उनकी वसीयत में शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रों के बीच भाईचारे को बढ़ावा देने, स्थायी सेनाओं को समाप्त करने या कम करने, शांति सम्मेलनों के आयोजन और प्रोत्साहन जैसे कार्यों का उल्लेख किया गया था।

हर किसी को नहीं मिलता पुरस्कार, जानें कौन करता है विजेता का चयन – नोबेल शांति पुरस्कार के विजेताओं का चयन नॉर्वेजियन नोबेल समिति करती है। इसमें 5 सदस्य होते हैं, जिन्हें नॉर्वे की संसद नियुक्त करती है।

पुरस्कार के लिए नामांकन करने का अधिकार हर व्यक्ति को नहीं होता।

इसके लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करना जरूरी है।

योग्य नामांकन मिलने के बाद समिति उम्मीदवारों की समीक्षा करती है। जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों की मदद से उनके काम का मूल्यांकन करती है। इसके बाद समिति विजेता का फैसला करती है।

किसी व्यक्ति या संगठन का नामांकन हो जाना इस बात की गारंटी नहीं होती है कि उसे पुरस्कार भी मिलेगा। 1901 से

अब तक नोबेल शांति पुरस्कार 139 विजेताओं को 105 बार दिया गया है। इनमें 92 पुरुष, 19 महिलाएं और 28 संगठन शामिल हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार किसी संगठन को भी देते हैं – नोबेल शांति पुरस्कार किसी व्यक्ति के साथ-साथ किसी संगठन को भी दिया जा सकता है। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन करने वाले व्यक्तियों के नाम आमतौर पर 50 साल तक गोपनीय रखे जाते हैं। नोबेल शांति पुरस्कार के विजेता को सम्मान समारोह में नोबेल मेडल और डिप्लोमा दिया जाता है। नोबेल शांति पुरस्कार का मेडल अन्य नोबेल पुरस्कारों के मेडल की तरह 18 कैरेट ग्रीन गोल्ड पर 24 कैरेट गोल्ड की पत से बनाया जाता है। अब तक नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के विजेता मलाला यूसुफजई हैं, जिन्हें 2014 में 17 साल की उम्र में यह सम्मान मिला था। शांति का नोबेल पाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति जोसेफ रोटब्लाट थे, जिन्हें 1995 में 86 साल की उम्र में सम्मानित किया गया था। नोबेल शांति पुरस्कार पाने वाली पहली महिला बर्था फॉन जुटनर थीं, जिन्हें 1905 में यह सम्मान मिला था। अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति को अब तक 3 बार नोबेल शांति पुरस्कार मिल चुका है। वियतनामी नेता ले डुक थो 1973 में नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार करने वाले एकमात्र व्यक्ति हैं। नोबेल शांति पुरस्कार को वापस नहीं लिया जा सकता; विजेता की आधिकारिक मान्यता स्थायी होती है।

भारत से जुड़े 2 लोगों को मिला है नोबेल पुरस्कार – अगर भारत की बात की जाए तो 2 प्रमुख हस्तियों को नोबेल शांति पुरस्कार मिल चुका है। मदर टेरेसा को साल 1979 में मानवता के पीड़ित लोगों की सहायता के लिए किए गए कार्यों के सम्मान में यह पुरस्कार दिया गया था। उनका जन्म तत्कालीन ओटोमन साम्राज्य के स्कोप्जे शहर में हुआ था, जो आज उत्तर मैसेडोनिया में है। उन्होंने अपना अधिकांश सेवाकाल भारत में किया और भारतीय नागरिकता भी ली थी। उनके अलावा कैलाश सत्यार्थी को 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें यह पुरस्कार पाकिस्तान की मलाला यूसुफजई के साथ संयुक्त रूप से बच्चों और युवाओं के दमन के खिलाफ संघर्ष और सभी बच्चों के शिक्षा के अधिकार के लिए किए गए प्रयासों के लिए मिला था।

भक्ति और श्रद्धा का पर्व नवरात्र

दिल्ली में 10 प्रसिद्ध माता मंदिर उमड़ेगा भक्तों को सैलाब

इंडेवालान माता मंदिर - करोल बाग क्षेत्र में स्थित इंडेवालान माता मंदिर अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन है। यहां अष्टकोणीय आकार में माता की मूर्ति मौजूद है। नवरात्रि के दौरान इस मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ देखने को मिलती है। यहां एक गुफा में माता के मूल प्रतिमा के दर्शन किए जाते हैं। कहते हैं कि जब इस जगह की खुदाई की गई तो नीचे माता की मूर्ति मिली थी, जो नीचे गुफा में मौजूद है। गुफा वाला मंदिर, प्रीत विहार - दिल्ली के प्रीत विहार में मौजूद गुफा मंदिर माता वैष्णो देवी को समर्पित है।

(ज्योति साह)

यदि आप इस नवरात्रि मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए माता के मंदिर जाने की योजना बना रहे हैं, तो दिल्ली के इन मंदिरों के दर्शन करने जा सकते हैं। कालका जी समेत 10 प्रसिद्ध मंदिरों में नवरात्रि के दौरान विशेष रौनक देखने को मिलती है। यहां लोग दूर-दूर से माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। शारदीय नवरात्रि का आगाज 11 अक्टूबर, रविवार से होने जा रहा है। इन 9 दिनों में माता के 9 अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। साथ ही, मां दुर्गा की कृपा प्राप्त करने के लिए भक्त श्रद्धा और विधिपूर्वक नवरात्रि का व्रत करते हैं। इसी बीच अगर आप दिल्ली में माता दुर्गा के दर्शन करने जाने की योजना बना रहे हैं, तो इन 10 प्रसिद्ध मंदिरों में जा सकते हैं। कालकाजी, गुफा वाला मंदिर सहित 10 माता रानी के मंदिर दिल्ली के प्रसिद्ध मंदिरों में शामिल हैं। जहां भक्त दूर-दूर से बड़ी संख्या में देवी के दर्शन करने पहुंचते हैं। आइए विस्तार से जानें दिल्ली में मौजूद माता के 10 प्रमुख मंदिरों के बारे में।

कालकाजी मंदिर – दिल्ली का कालकाजी मंदिर देशभर में काफी प्रसिद्ध है। इसे सिद्धपीठों में से एक माना जाता है और नवरात्रि के दौरान भक्त या लंबी संख्या में माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। मान्यता है कि इसी स्थान पर माता दुर्गा महाकाली रूप में प्रकट हुई थीं और उन्होंने असुरों का संहार किया था। मुख्य मंदिर में 12 द्वार हैं जो 12 महीनों का संकेत देते हैं। कालकाजी मंदिर में 300 साल पुराना ऐतिहासिक हवन कुंड भी मौजूद है।

छतरपुर मंदिर – दिल्ली के छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास मौजूद छतरपुर मंदिर दुर्गा मां के छठे रूप

कात्यायनी माता को समर्पित है। कहते हैं कि कात्यायनी मां के श्रृंगार के लिए यहां रोजाना दक्षिण भारत से खास रंगों के फूलों की माला आती है। यह दिल्ली के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है जो दिखने में नवरात्रि के दौरान नवरात्रि के दौरान आप छतरपुर मंदिर के दर्शन करने भी जा सकते हैं।

इंडेवालान माता मंदिर – करोल बाग क्षेत्र में स्थित इंडेवालान माता मंदिर अत्यंत प्रसिद्ध और प्राचीन है। यहां अष्टकोणीय आकार में माता की मूर्ति मौजूद है। नवरात्रि के दौरान इस मंदिर में बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ देखने को मिलती है। यहां एक गुफा में माता के मूल प्रतिमा के दर्शन किए जाते हैं। कहते हैं कि जब इस जगह की खुदाई की गई तो नीचे माता की मूर्ति मिली थी, जो नीचे गुफा में मौजूद है।

गुफा वाला मंदिर, प्रीत विहार – दिल्ली के प्रीत विहार में मौजूद गुफा मंदिर माता वैष्णो देवी को समर्पित है। यहां एक बड़ी और एक छोटी गुफा भी है। इसमें देवी कात्यायनी, ज्वाला देवी और चिंतपूर्णीजी मूर्तियां मौजूद हैं। नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। अगर आप दिल्ली या आसपास कहीं रहते हैं, तो गुफा वाले मंदिर के दर्शन करने जा सकते हैं।

योगमाया मंदिर – कुतुब मीनार से कुछ दूरी पर मौजूद महारौली में योगमाया मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि यह कई हजार साल पुराना मंदिर है। इसे लेकर कथा है

कि योगमाया श्रीकृष्ण की बहन थी। इन्हीं को यमुना नदी पार करके लाया गया था और देवकी के बगल में श्रीकृष्ण के स्थान पर रखा था। कंस ने इनका भी अंत



करना चाहा लेकिन योगमाया देवी निकलकर आकाश में चली गई। फिर, उन्होंने अपने वास्तविक रूप में आकर कंस के अंत की भविष्यवाणी की थी।

नई दिल्ली कालीबाड़ी मंदिर – यह दिल्ली के प्राचीन मंदिरों में से एक है, जो मंदिर मार्ग के पास स्थित है। यह माता काली को समर्पित है, जहां भक्त दूर-दूर से माता के दर्शन करने आते हैं। वहीं, विशेष रूप से नवरात्रि के दौरान यहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में दिखाई देते हैं। कालीबाड़ी मंदिर में माता काली बहुत सुंदर मूर्ति मौजूद है। नवरात्रि में यहां पर कई कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

नीलम माता वैष्णो मंदिर – दिल्ली के मयूर विहार

फेस-2 में स्थित नीलम माता वैष्णो मंदिर बहुत ही खूबसूरत है। मंदिर के बेसमेंट में गुफा भी है, जो वैष्णो देवी गुफा का अनुभव कराती है। विशेष अवसरों पर

भक्त यहां माता के दर्शन और पूजा करने पहुंचते हैं। अगर आप मयूर विहार के पास या दिल्ली में रहते हैं, तो नवरात्रि के दौरान माता के इस मंदिर के दर्शन करने भी जा सकते हैं।

श्री वैष्णो देवी मंदिर – गुलाबी बाग में स्थित श्री वैष्णो देवी मंदिर दिल्ली के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यहां मां काली के साथ देवी दुर्गा के सभी नौ स्वरूपों के दर्शन करने भक्त बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। नवदुर्गा धाम मंदिर के पहली मंजिल पर स्थित है। यही कारण है कि इसे श्री वैष्णो मंदिर कहा जाता है। यहां नवरात्रि के दौरान विशेष रौनक देखने को मिलती है।

कालीबाड़ी मंदिर, द्वारका – यह मंदिर दिल्ली के द्वारका सेक्टर-21 में स्थित है। यहां शाम की आरती बहुत प्रसिद्ध है, जिसमें शामिल होने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मंदिर दिखने में बहुत ही खूबसूरत है। मंदिर में प्रथम तल पर माता काली की प्रतिमा स्थापित है। दुर्गा पूजा के दौरान यहां कई प्रकार के कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है।

संतोषी माता मंदिर – दिल्ली के हरि नगर में संतोषी माता मंदिर स्थित है। मंदिर के गभर्ग्रह में मां सरस्वती, माता वैष्णो और मां सरस्वती की मूर्ति स्थापित है। नवरात्रि में मां माताओं के एक ही स्थान पर दर्शन करने के लिए संतोषी माता मंदिर जा सकते हैं। नवरात्रि के दौरान यहां भक्त देवी के दर्शन करने पहुंचते हैं।

गौरपाड़ा में बनेगा पीएचसी

1.42 करोड़ की आयेगी लागत विधायक ने किया कार्य का शिलान्यास ग्रामीणों को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं वर्षों की मांगें होगी पूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़। जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत सिंगारसी पंचायत के गौरपाड़ा गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू ने किया। 142.80962 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस भवन का शिलान्यास विधायक ने नारियल फोड़कर और फीता काटकर किया। गांव पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए विधायक हेमलाल मुर्मू ने कहा कि गौरपाड़ा में अस्पताल भवन की मांग लंबे समय से की जा रही थी। भवन नहीं होने के कारण

ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार करने में भी परेशानी होती थी। नए भवन का निर्माण पूरा होने के बाद स्थानीय लोगों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। विधायक ने कहा कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में गरीबों, आदिवासियों और मूलवासियों के हितों को ध्यान में रखकर कई जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य दूर-दराज के गांवों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम में युवा नेता सह केन्द्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू, विभागीय सहायक अभियंता प्रदीप रजक, प्रखंड अध्यक्ष श्यामलाल



हांसदा, प्रखंड सचिव जहरीरूदीन मिर्वा, रंजन साहा, कालीदास मुर्मू, थॉमस मुर्मू, इमरान अंसारी, रंजीत पंडित, संतोष भगत, नारायण भगत, फिलीप मुर्मू, अली हुसैन, जिला

पूजा पंडालों का अधिकारियों ने किया निरीक्षण



नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़। दुगार्पूजा के महेनजर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपयुक्त के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, जिला परिवहन पदाधिकारी मोजाहिद अंसारी, विशेष कार्य पदाधिकारी अमित कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव ने पाकुड़ शहरी क्षेत्र के विभिन्न दुगार्पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सरस्वती पुस्तकालय, श्मशान कालीघाट, राजापाड़ा, रेलवे स्टेशन, कालिकापाड़ा और शीतला मंदिर सहित विभिन्न पूजा स्थलों का जायजा लिया। इस दौरान पूजा समितियों के सदस्यों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन, भीड़ प्रबंधन, प्रवेश और निकास मार्ग, अग्नि सुरक्षा, विद्युत व्यवस्था, पर्याप्त रोशनी, साफ-सफाई और पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु रहे और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए

सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश भीड़ प्रबंधन, अग्नि सुरक्षा और यातायात पर जोर

आवश्यक इंतजाम किए जाएं। अधिकारियों ने अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और उनकी कार्यशीलता सुनिश्चित करने तथा बिजली के तारों की सुरक्षित तरीके से व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया। साथ ही, आपातकालीन वाहनों के आवागमन के लिए रास्तों को बाधा रहित रखने और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने को कहा। पूजा पंडालों और आसपास के क्षेत्रों में यातायात सुचारु बनाए रखने, अनधिकृत पार्किंग पर रोक लगाने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने पूजा समितियों से जिला प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में पूजा-अर्चना कर सकें। जिला प्रशासन ने बताया कि दुगार्पूजा के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। निरीक्षण के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी, विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, पाकुड़ के अंचलाधिकारी, अग्निशमन पदाधिकारी, नगर थाना प्रभारी, पुलिस पदाधिकारी, सिटी मैनेजर और ट्रैफिक प्रभारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़। जिले के पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत प्रोजेक्ट प्लस टू हाई स्कूल, गणपुरा में शनिवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में सीएचओ सरदार मल जाट ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेहतर जीवन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी जरूरी है। पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक समस्याएं, चिंता और तनाव बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसी परिस्थितियों में विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं परिवार के सदस्यों, शिक्षकों या विश्वसनीय लोगों के साथ साझा करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित

व्यायाम करने, पर्याप्त नींद लेने, संतुलित आहार अपनाने और सकारात्मक सोच रखने की सलाह दी। साथ ही दूसरों की भावनाओं का सम्मान करने, जरूरतमंद साधियों की मदद करने तथा मानसिक समस्याओं से जुझ रहे लोगों के प्रति भेदभाव नहीं करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी भांतियों को दूर करने और समय पर उचित सहायता लेने के महत्व पर भी चर्चा की गई। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ज्योत्सना सोरेन ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मानसिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक है। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने तथा विद्यालय में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने की अपील की कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वस्थ मन, सकारात्मक सोच और बेहतर भविष्य का संदेश दिया गया।

पीके ने कसा तंज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पटना। जन सुराज पार्टी के संस्थापक व विधायक प्रशांत किशोर ने एनडीए के जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार के बुखार छुड़ा देने वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि नीरज कुमार अब जल्द ही बेरोजगार होने वाले हैं, डॉक्टर तो हो नहीं सकते। खुद को जदयू का वफादार बताते वाले नीरज कुमार ने आगे कोई बयान दिया तो चुप नहीं रहेंगे। पिछले एक-डेढ़ साल में जदयू के खिलाफ किन-किन नेताओं की क्या जानकारी दी और क्या पेपर लोक किया, ये सब जनता के सामने जारी करेंगे।

वहीं प्रशांत किशोर ने विगत बिहार विधानसभा चुनाव में वोट खरीदने और उसमें चुनाव आयोग के साथ देने का आरोप लगाया है। उन्होंने दिल्ली में हो रहे प्रदर्शन पर कहा कि कई लोग यह देख रहे हैं कि प्रदर्शन में कितने लोग पहुंचे, लेकिन सरकार को इसे रोकने के लिए 40 हजार पुलिस बल को उतारना पड़ा, यह बताता है कि जनता का प्रदर्शन किसका ताकतवर है। उन्होंने विधान परिषद चुनाव को लेकर एनडीए की समन्वय बैठक पर भी तंज किया।

बीएसएल सतर्कता विभाग की प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

हिंदी भाषण में अश्मिता लाजरस और पोस्टर मेकिंग में अंकिता कुमारी प्रथम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के सतर्कता विभाग की ओर से शनिवार को सेक्टर-8बी स्थित डीएलई इस्थान पब्लिक स्कूल में हिंदी भाषण एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 और तीन माह के विशेष निवारक सतर्कता अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं की थीम सत्यनिष्ठा से समृद्धि रखी गई थी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में ईमानदारी, नैतिकता, पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को सतर्कता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सत्यनिष्ठा,



नैतिक आचरण और पारदर्शिता अपनाना ही जिम्मेदार एवं भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है। प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। हिंदी भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 12 की अश्मिता लाजरस ने प्रथम, कक्षा 11 की नवन तारा ने द्वितीय और कक्षा 11 की अदिति स्वरूप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 11 की सौम्या राज को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कक्षा 7-बी की अंकिता कुमारी

प्रथम, कक्षा 8-बी की वर्षा कुमारी द्वितीय और कक्षा 7-बी की पीू कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। कक्षा 7-ए की सोनम को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। सभी विजेताओं को आगामी सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और नागरिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

वॉलंटियर्स को किया गया प्रशिक्षित

बोकारो। दुगार्पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और आपात स्थितियों से निपटने के लिए शनिवार को समाहरणालय सभागार में पूजा समिति के सदस्यों एवं वॉलंटियर्स को प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। चांस एसडीओ प्रांजल दांडा की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिविल डिपेंस के राज्य प्रशिक्षक डॉ. एसपी वर्मा की टीम ने आपात स्थिति में घायलों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के तरीके बताए।

प्रशिक्षण के दौरान वॉलंटियर्स को किसी व्यक्ति के घायल होने, बेहोश होने या अन्य आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने की जानकारी दी गई। उन्हें प्राथमिक उपचार के महत्व और जरूरत पड़ने पर घायलों को चिकित्सा सुविधा तक पहुंचाने में सहयोग करने के व्यावहारिक तरीके भी बताए गए। प्रशिक्षण का उद्देश्य पूजा पंडालों में तैनात वॉलंटियर्स को आपात परिस्थितियों के लिए तैयार करना है, ताकि दुगार्पूजा के दौरान किसी अप्रिय घटना की स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल प्राथमिक सहायता मिल सके।

भर्ती शिविर में 17 अभ्यर्थियों का चयन

पाकुड़। जिले के युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय सह मॉडल करियर केंद्र, पाकुड़ में एक दिवसीय भर्ती सह निबंधन शिविर का आयोजन किया गया। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखंड के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में 17 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जबकि 21 अभ्यर्थियों को अगले चरण की प्रक्रिया के लिए सूचीबद्ध किया गया। शिविर में निजी क्षेत्र के दो स्थानीय नियोजकों ने भाग लिया। इनके माध्यम से शिक्षक, सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा पर्यवेक्षक और गृह व्यवस्था कर्मी सहित विभिन्न पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरी की गई। इन पदों के लिए कुल 184 रिक्रियॉ प्राप्त हुई थीं। इसके अतिरिक्त, शिविर में 37 अभ्यर्थियों का झारनियोजन पोर्टल पर निबंधन किया गया।

शिविर में उपस्थित अभ्यर्थियों को जिला नियोजनालय की ओर से उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी गई। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, पुस्तकालय, करियर परामर्श, निबंधन शिविर तथा समय-समय पर आयोजित होने वाले रोजगार मेले और भर्ती शिविर शामिल हैं।



नवबिहार टाइम्स संवाददाता बोकारो। दुगार्पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभागार में उपयुक्त अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में पूजा पंडालों की सुरक्षा, विधि-व्यवस्था, यातायात, विद्युत व्यवस्था, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधाओं की समीक्षा की गई। डीसी ने सभी संबंधित विभागों को

कांग्रेस ने मनाया काला दिवस

लोकोतंत्र और संविधान की रक्षा का लिया संकल्प काली पट्टी बांधकर किया विरोध-प्रदर्शन जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में जुटे कार्यकर्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता पाकुड़। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पाकुड़ प्रखंड विकास कार्यालय परिसर में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार के नेतृत्व में काला दिवस मनाया गया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन कर लोकोतंत्र, संविधान और आम जनता के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, प्रखंड एवं मंडल अध्यक्षों, विभिन्न विभागों और प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।



सभी ने अपनी बांहों पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया। विरोध-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अन्याय, तानाशाही तथा लोकोतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने वाली नीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकोतंत्र, संविधान, सामाजिक न्याय और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रही है और

आगे भी यह संघर्ष जारी रहेगा। जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार के नेतृत्व में उपस्थित कांग्रेसजनों ने लोकोतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा, संवैधानिक मूल्यों और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेस ने लोकोतंत्र की मजबूती और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

दुगार्पूजा की सुरक्षा को ले डीसी-एसपी ने की समीक्षा

बड़े पंडालों में 50 और छोटे में 20 स्वयंसेवक रहेंगे तैनात

में सीसीटीवी कैमरे लगाने और कम से कम 10 दिनों तक फुटेज सुरक्षित रखने को कहा गया। अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, आपातकालीन निकास और वैध अस्थायी विद्युत कनेक्शन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए पार्किंग स्थल चिह्नित करने और जरूरत के अनुसार मार्ग परिवर्तन की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। एंबुलेंस और अग्निशमन वाहनों के लिए रास्ते बाधामुक्त रखने को कहा गया। महिला एवं बच्चों की सुरक्षा, पेयजल, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता और प्रतिमा विसर्जन की सुविधाओं की भी समीक्षा की गई। डीसी ने सोशल मीडिया पर अपकवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा अवैध शराब की बिक्री और असामाजिक

गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने का निर्देश दिया। एसपी ने थाना प्रभारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करने को कहा। एसपी ने भीड़ प्रबंधन के लिए बड़े पंडालों में लगभग 50 और छोटे पंडालों में लगभग 20 स्वयंसेवकों की तैनाती पर जोर दिया गया। डीडीसी शताब्दी मजुमदार ने अग्नि, भवन और विद्युत सुरक्षा मानकों की जांच के साथ एंबुलेंस एवं अग्निशमन वाहनों को तैयार रखने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, एसडीओ चांस प्रांजल दांडा, एसपी वेदांत शंकर, मुख्यालय डीएसपी पवन कुमार, सिटी डीएसपी राजीव रंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

दुगार्पूजा की तैयारी को लेकर नगर परिषद में बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता



पाकुड़। आगामी दुगार्पूजा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर पाकुड़ नगर परिषद कार्यालय के सभागार में पूजा समितियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर अध्यक्ष सबरी पाल, कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी और नगर उपाध्यक्ष राणा ओझा ने पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सभी पूजा पंडालों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, सीसीटीवी कैमरे लगाने, अग्निशमन यंत्रों की व्यवस्था करने तथा बिजली और विद्युत उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी जरूरी निर्देश दिए गए। नगर परिषद की ओर से पूजा समितियों से डस्टबिन, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जरूरतों की जानकारी ली गई। इन आवश्यकताओं के अनुरूप पूजा से पहले सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि नगर क्षेत्र की दुगार्पूजा समितियों के बीच बेहतर व्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए तीन समितियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके लिए पंडालों में बेहतर प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण को पहल, कचरा प्रबंधन और भीड़ प्रबंधन जैसे मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में नगर मिशन प्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा, बड़ा बाबू देवाशीष देव वर्मन, कनीय अभियंता सुमन सौरव, सफाई सुपरवाइजर संजय सहित विभिन्न दुगार्पूजा समितियों के सदस्य उपस्थित थे।

सांसदों से बल प्रयोग के विरोध में कांग्रेस ने निकाली शवयात्रा



नवबिहार टाइम्स संवाददाता बोकारो। दिल्ली में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और ग्रियंका गांधी समेत विपक्षी सांसदों के साथ कथित बल प्रयोग के विरोध में शनिवार को बोकारो में कांग्रेस अधिकारियों ने प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष जवाहरलाल महथा के नेतृत्व में नया मोड़ स्थित

विरसा चौक पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पुतलों की शवयात्रा निरालाकर उनका दहन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकोतंत्र की रक्षा और विपक्ष की आवाज बढ़ाने को लेकर प्रयासों के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया।

जिला अध्यक्ष जवाहरलाल महथा ने आरोप लगाया कि देश में संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता प्रभावित की जा रही है और जनता के मताधिकार का हनन हो रहा है। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक हालात को अधोषित आपातकाल जैसी स्थिति बताते हुए कहा कि लोकोतंत्र में विपक्ष की आवाज का सम्मान होना चाहिए। महथा ने कहा कि कांग्रेस लोकोतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर आंदोलन को मजबूत करने का आह्वान किया।

प्रदर्शन में जमील अख्तर, नितेश भारद्वाज, अशोक मिश्रा सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपने विरोध को दर्ज कराया।

हर स्तर संवाद शून्य दुर्घटना के लक्ष्य पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के प्रोजेक्ट्स विभाग ने कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को मजबूत बनाने के लिए हर स्तर संवाद नामक पहल शुरू की है। इसके तहत साइट पर कार्यरत सर्विदा कर्मियों से लेकर शीर्ष प्रबंधन तक सुरक्षा संबंधी विषयों पर सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल पर संभावित जोखिमों की पहचान करना और कर्मियों की समस्याओं व सुझावों को प्रबंधन तक पहुंचाकर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है। इस पहल के तहत 9 अक्टूबर को अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) के सम्मेलन कक्ष में शीर्ष प्रबंधन और सर्विदा कर्मियों के बीच संवाद सत्र आयोजित किया गया। इसमें सत्र आयोजक एवं सुपरवाइजरों के साथ मासिक समीक्षा बैठक और सुझावों को सीधे प्रबंधन के समक्ष रखने का निर्देश दिया गया।



सत्र में अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) के साथ मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं), प्रोजेक्ट्स विभाग के मुख्य महाप्रबंधक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। हर स्तर संवाद पहल के अंतर्गत साइट स्तर पर प्रतिदिन टूलबॉक्स टॉक, ठेकेदारों एवं सुपरवाइजरों के साथ मासिक समीक्षा बैठक और विभागीय स्तर पर साप्ताहिक सहाभगिता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

इन गतिविधियों के माध्यम से सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, कर्मियों की भागीदारी सुनिश्चित करने और संभावित खतरों का समय पर समाधान करने पर जोर दिया जा रहा है। संवाद सत्र में अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा केवल निर्धारित निर्देशों और मानकों के पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निरंतर संवाद, सक्रिय सहभागिता और सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित प्रक्रिया है। प्रत्येक कर्मचारी के लिए सुरक्षित

कार्यस्थल सुनिश्चित करना इसकी प्राथमिकता है। बीएसएल की यह पहल कार्यस्थल से शीर्ष प्रबंधन तक संवाद की प्रभावी व्यवस्था विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य सुरक्षा संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान और समाधान के माध्यम से शून्य दुर्घटना के लक्ष्य को हासिल करना तथा सभी कर्मियों के लिए सुरक्षित एवं स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है।



जीएसटी कानूनमें दोषी साबित होनेपर जेल की सजा ही हो, जरूरी नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स से जुड़े कानून के तहत अपराध का दोषी साबित होने



पर भी जरूरी नहीं है कि जेल की ही सजा हो। त्सख काउंसिल की 57वीं बैठक में इस बारे में नियमों में बदलाव को मंजूरी दी गई है। काउंसिल ने रजिस्ट्रेशन, कैसलेशन, रिफंड से लेकर नोटिस और सजा तक के प्रावधानों में ऐसे बदलावों को मंजूरी दी है, जिनसे कारोबार करने की राह और आसान होगी। इस बारे में सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्स एंड कस्टम्स ने शुक्रवार को अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के जवाब जारी किए। काउंसिल ने त्सख कानून के तहत टैक्स अधिकारियों का किसी को गिरफ्तार करने का अधिकार तो पूरी तरह खत्म कर ही दिया है और मुकदमा चलाने के लिए टैक्स अमाउंट 5 करोड़ रुपये से ज्यादा होने की बात तय की है, त्सख के तहत अपराधों के लिए अधिकतम सजा में भी बदलाव किए हैं। अब तक चल रही व्यवस्था में जेल और जुरमनि, दोनों की बात थी, लेकिन काउंसिल ने तय किया है कि 1 अप्रैल 2027 से सजा के रूप में जेल या जुरमनि या दोनों की व्यवस्था होगी। काउंसिल ने तय किया है कि 5 करोड़ से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक की टैक्स चोरी के मामले में अधिकतम 2 साल तक की जेल या जुरमाना या दोनों की सजा हो सकती है। 10 करोड़ रुपये से अधिक की टैक्स चोरी में अधिकतम 5 साल तक की जेल या जुरमाना या दोनों की सजा हो सकती है। फैसला सक्षम अदालत करेगी। हालांकि एक अहम बदलाव यह आएगा कि अगर त्सख कानून के तहत कोई दोषी साबित हो जाए, तो भी जरूरी नहीं है कि उसे जेल की सजा हो। साथ ही, सेक्शन 132(3) के तहत अभी अनिवार्य रूप से कम से कम 6 महीने की जेल की सजा होती है। यह अनिवार्यता 1 अप्रैल से हट जाएगी।

एक के पैकेट में बिस्कुट कम हो गए हैं, तो दूसरे में काम के दिन! पारले-जी के बहाने किस पर तंज कस रहे हैं हर्ष गायनका

नई दिल्ली, एजेंसी। आरपीजी एंटरप्राइजेज के चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति हर्ष गायनका ने



बिस्कुट के मशहूर ब्रांड पारले-जी के बहाने नेताओं पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि पारले-जी के 10 रुपये के पैकेट की तरह संसद में वर्किंग डेज में भी लगातार गिरावट आई है। इस पैकेज का वजन 2008 में 140 ग्राम था जबकि अब इसका वजन आधा यानी 70 ग्राम रह गया है। इसी तरह हाल में संसद सत्र का ज्यादातर समय भी हंगामे की भेंट चढ़ गया और बहुत कम दिन कामकाज हो पाया। हर्ष गायनका ने एक्स पर पारले-जी की एक फोटो पोस्ट की है। इसमें बताया गया है कि पारले-जी के 10 रुपये के पैकेट की कीमत में कई साल से कोई बदलाव नहीं हुआ है लेकिन इसका वजन लगातार कम हुआ है। गायनका ने इसके साथ ही लिखा, दोनों ही सिकुड़ रहे हैं! एक के पैकेट में बिस्कुट कम हो गए हैं, तो दूसरे में काम के दिन!' 2008 में पारले-जी के 10 रुपये वाले पैकेट का वजन 140 ग्राम था जो 2011 में घटकर 130 ग्राम रह गया। 2014 में इसका वजन 10 ग्राम कम करके 120 ग्राम कर दिया गया। इसके बाद 2017 में इसका वेट 20 ग्राम कम होकर 100 ग्राम रह गया। 2020 में यह 90 ग्राम का रह गया। 2023 में इसमें फिर कटौती की गई और इसका वजह 80 ग्राम रह गया। इस साल यह 70 ग्राम का रह गया है। इसी तरह संसद का हालिया मॉनसून सत्र भी हंगामे की भेंट चढ़ गया था।

डॉलर, तेल, बॉन्ड, एफआईआई चौतरफा मार से 100 की ओर बढ़ रहा रुपया

भारत के लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक



संजय मल्होत्रा, आरबीआई गवर्नर

इस बीच इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड ने कहा है कि भारत रुपये पर दबाव झेलने के लिए काफी मजबूत है। एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि यूएस फेडरल रिजर्व के इंटररेस्ट रेट बढ़ाने के फैसले से ग्लोबल फाइनेंशियल हालात और संख्य होंगे और भारत एक्सचेंज रेट को शांक एक्जॉर्बर के तौर पर काम करने देगा।

की बैठक के बाद उन्होंने कहा कि बाजार की धारणा और करेंसी के बारे में निवेशकों की स्थिति हमेशा किसी करेंसी के वास्तविक मूल्य की नहीं दर्शाती। उन्होंने कहा, 'केवल

लंबी अवधि में बाजार किसी करेंसी का सही मूल्य निर्धारित कर पाते हैं।' उनसे रुपये में लगातार हो रही गिरावट और करेंसी हेंजिंग एक्टिविटीज के बारे में पूछा गया था।

जियो के आईपीओ का वैल्यूएशन होगा 10.3 लाख करोड़!

कितने में मिलेगा शेयर, रिलायंस के शेयरहोल्डर्स को क्या होगा फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की कंपनी जियो प्लैटफॉर्मस अपने 10.3 ट्रिलियन रुपये (लगभग 106 अरब डॉलर) का वैल्यूएशन हासिल करने का लक्ष्य रख रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, सौदे से जुड़े चार बैंकों ने शुक्रवार को बताया कि यह भारत के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जियो प्लैटफॉर्मस अपने शेयरों का प्राइस बैंड 1,065 रुपये से 1,119 रुपये प्रति शेयर तय करने जा रही है। इस मसले पर फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कोई जवाब नहीं दिया है। रिपोर्ट में एजेंसियों के हवाले से यह दावा किया गया है। इसके मुताबिक अपने बहुप्रतीक्षित के लिए 1,065-1,119 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। इससे भारत के सबसे बड़े पब्लिक इश्यू

के लिए रास्ता साफ हो गया है। 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयरों के ड्राफ्ट ऑफर साइज के आधार

अनुसार योजना 10 की फेस वैल्यू वाले 27 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने की है।



पर, यह इश्यू निचले स्तर पर लगभग 28,755 करोड़ और ऊपरी स्तर पर 30,213 करोड़ जुटा सकता है। हालांकि इश्यू का फाइनल साइज 'रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस' में बताई गई ऑफर की शर्तों पर निर्भर करेगा। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के

उम्मीद है कि यह पूरी तरह से नया इश्यू होगा और इसमें 'ऑफर-फॉर-सेल' का कोई हिस्सा नहीं होगा। रिपोर्ट के अनुसार, ड्राफ्ट फाइलिंग के समय जियो प्लैटफॉर्मस में रिलायंस की हिस्सेदारी लगभग 66.4 प्रतिशत थी,

एलन मस्क के तीखे हमलों के बीच

आईएसबी प्रोफेसर ने किया आगाह, कहा- भारत को सावधानी बरतना सही

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन स्कूल ऑफ बिनेस में फाइनेंस के एसोसिएट प्रोफेसर प्रसन्ना तांत्री का कहना है कि एलन मस्क की स्टारलिक को लेकर सावधानी बरतना सही है। कारण है कि भारत



विदेशी नियंत्रण वाले अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भरता के जोखिमों पर विचार कर रहा है। उन्होंने भारत को 'भू-राजनीतिक जोखिम' के बारे में आगाह किया। दिग्गज अर्थशास्त्री ने चेतावनी दी कि वॉशिंगटन की पहुंच अमेरिकी कंपनियों और सीमाओं से कहीं आगे तक है।

प्रसन्ना तांत्री एलन मस्क के आरोपों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मस्क ने आरोप लगाया था कि भारत में 'कुछ रसूखदार लोग' (ऑलिंगक्वॉस) देश पर अपनी 'एकाधिकार वाली पकड़' बनाए रखने के लिए स्टारलिक को रोक रहे हैं। इसके बाद उन्होंने दोबारा पोस्ट करके सवाल किया था कि क्या अंबानी भारत के असली बॉस हैं

तांत्री ने एक पोस्ट में कहा, 'स्टारलिक पर भारत सरकार की सावधानी को समझने के लिए मैं 'एडवर्ड फिशमैन की 'न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलर किताब 'चोकरोईट्स' पढ़ने की पुरजोर सलाह देता हूं।' उन्होंने कहा कि यह किताब दिखाती है कि कैसे अमेरिका ने फाइनेंस और टेक्नोलॉजी में अपने दबदबे को सरकारी नीति के औजारों में बदल दिया। तांत्री ने कहा कि निजी मालिकाना हक कंपनियों को सरकारी ताकत से पूरी तरह सुरक्षित नहीं रखता। उन्होंने हुआवे और अमेरिकी प्रतिबंधों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, 'हुआवे और लगे प्रतिबंध दिखाते हैं कि कैसे अमेरिकी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता भू-राजनीतिक जोखिम का कारण बन सकती है।' प्रोफेसर ने 'फॉरेन डायरेक्ट प्रोडक्ट रूल' का जिक्र किया। इसके तहत अमेरिका के बाहर की कंपनियों को भी हुआवे को अमेरिकी टेक्नोलॉजी से बने कुछ उत्पाद सप्लाई करने के लिए अमेरिकी मंजूरी की जरूरत होती थी। तांत्री ने कहा, 'वॉशिंगटन की पहुंच अमेरिकी कंपनियों और सीमाओं से कहीं आगे तक है। विदेशी नियंत्रण वाले अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज्यादा निर्भरता से यह जोखिम पैदा होता है कि कमर्शियल एक्सेस आखिरकार राजनीतिक शर्तों को मानने पर निर्भर हो जाएगी।' उन्होंने कहा, 'परस्पर आर्थिक निर्भरता से समृद्धि आ सकती है। लेकिन, भू-राजनीतिक टकराव के समय में यह किसी देश की अपनी पसंद चुनने की आजादी को भी सीमित कर सकती है।' वह बोले, 'कम समय के कमर्शियल फायदे और आजादी खोने के नुकसान, दोनों को तौलना होगा।' संचार मंत्रालय ने मस्क के उस दावे का जवाब दिया था जिसमें कहा गया था कि भारत में कुछ रसूखदार लोग (ऑलिंगक्वॉस) स्टारलिक को रोक रहे हैं।

रेखा सिप करते हुए देती थीं पोज, याद है वो कोल्ड ड्रिंक ब्रांड जिसके जादू से महक उठा था भारतीय बाजार



नई दिल्ली, एजेंसी। गोल्ड स्पॉट याद है यह सिर्फ एक सॉफ्ट ड्रिंक ब्रांड नहीं था। इसके बजाय 80 और 90 के दशक के बच्चों और युवाओं के दिलों में बसा ऐसा कोना था, जो आज भी लोगों के जेहन में जिंदा है। बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा ने उस दौर में इसकी चमक में चार चांद लगा दिए थे। सिप करते उनके पोज ने इस ब्रांड के जादू को पूरे भारतीय बाजार में महका दिया था। यहां पढ़ें गोल्ड स्पॉट की पूरी कहानी।

ऐसे हुई शुरुआत: गोल्ड स्पॉट की कहानी की शुरुआत होती है 1947 के दशक के बाद से। रमेश चौहान के नेतृत्व में पारले ने ग्लूको बिस्किट की सफलता के बाद पहला 'ग्लूको कोला' लॉन्च किया था। इसे कोका-कोला के साथ कानूनी विवाद के कारण 1951 में बंद करना पड़ा। फिर 1952 में पारले ने 'गोल्ड स्पॉट' नाम से ऑरेंज फ्लेवर वाली ड्रिंक पेश की। यह तुरंत हिट साबित हुई। वेंडर बर्फ से भरे बर्तनों में बोतलों को ठंडा करके व्यस्त चौराहों पर इसे बेचा करते थे।

80 के दशक के मध्य में ब्रांड को फिर से स्थापित करने की जरूरत महसूस हुई ताकि इसे बच्चों के दायरे से निकालकर युवाओं तक पहुंचाया जा सके। रेडिफ्यूजन एजेंसी और कमलेश पांडे ने इसके लिए 'द जिंग थिंग' टैगलाइन गढ़ी। प्रह्लाद कक्कड़ और लुई बैंक की टीम ने 'ग्रीस' फिल्म जैसे स्टाइलिश, जोशीले और पश्चिमी संगीत से प्रेरित विज्ञापन बनाए। इन विज्ञापनों और रेखा के शुरुआती जुड़ाव ने इसे युवाओं के बीच 'द मोस्ट पॉपुलर अनकोला' और 'फॉर मी' ब्रांड बना दिया।

1993 में थम्स अप, लिमका और माजा के साथ गोल्ड स्पॉट को भी ग्लोबल दिग्गज कंपनी कोका-कोला ने खरीद लिया। कोका-कोला ने अपने ब्रांड 'फैंटा' के लिए बाजार में जगह बनाने के मकसद से इस लोकप्रिय स्वदेशी ब्रांड को बाजार से हटा दिया। हालांकि, आज यह कोल्ड ड्रिंक बाजार में मौजूद नहीं है। लेकिन, इसकी पुरानी यादें और रेखा के दौर के वे विज्ञापन आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं।

शुरुआती दौर में गोल्ड स्पॉट मुख्य रूप से

बच्चों का ब्रांड बन गया था। 70-80 के दशक में इसका विज्ञापन बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री रेखा करती थीं। बच्चे जन्मदिन या गर्मियों की छुट्टियों में जनरल स्टोर पर जाकर इस मीठी संतरे के स्वाद वाली ड्रिंक का आनंद लेते थे। इसके बोतलों के ढक्कन के अंदर कार्टून बने होते थे। इन्हें पाने और जुटाने के लिए बच्चों में होड़ लगी रहती थी। जैब खर्च बचाकर इस ड्रिंक को खरीदना और ढक्कन संभाल कर रखना उस समय के बच्चों का पसंदीदा शौक था।

उस समय के बच्चों का पसंदीदा शौक था।

1993 में थम्स अप, लिमका और माजा के साथ गोल्ड स्पॉट को भी ग्लोबल दिग्गज कंपनी कोका-कोला ने खरीद लिया। कोका-कोला ने अपने ब्रांड 'फैंटा' के लिए बाजार में जगह बनाने के मकसद से इस लोकप्रिय स्वदेशी ब्रांड को बाजार से हटा दिया। हालांकि, आज यह कोल्ड ड्रिंक बाजार में मौजूद नहीं है। लेकिन, इसकी पुरानी यादें और रेखा के दौर के वे विज्ञापन आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं।



विदेशी मुद्रा भंडार में फिर भारी कमी

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 2 अक्टूबर 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 12.752 की भारी कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 18.343 की तगड़ी गिरावट हुई थी। उससे एक सप्ताह पहले 14.881 की कमी हुई थी और 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 4.924 की कमी हुई थी। इन चार सप्ताह के दौरान ही अपने भंडार में 51.100 की भारी कमी हुई है।

विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घट रहा है, 4 सप्ताह में निकल गए 51 बिलियन से ज्यादा

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह भारी गिरावट आई है। 2 अक्टूबर 2026 को सप्ताह के दौरान इसमें करीब 13 की कमी की खबर है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 18 बिलियन से ज्यादा की गिरावट हुई थी। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें करीब 15 और उससे एक सप्ताह पहले करीब 5 की गिरावट आई थी। मतलब कि चार सप्ताह में ही 51.1 डॉलर निकल गए। हां, 4 सितंबर 2026 तक लगातार 10 सप्ताह इसमें बढ़ोतरी ही हो रही थी।

एसडीआर में बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्राईंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में 15 की बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले इसमें 97 की कमी हुई थी। अब अपना कुल एसडीआर भंडार बढ़ कर 18.656 का हो गया है। इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में 15 की गिरावट हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें 86 की कमी हुई थी। अब अपना आईएमएफ रिजर्व घट कर 4.789 का रह गया है।



कमल हासन की फिल्म इंडियन 3 का पोस्ट-प्रोडक्शन काम शुरू

कमल हासन और निर्देशक एस. शंकर की फिल्म 'इंडियन 3' को लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति थी। दरअसल, 'इंडियन 2' के उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं करने के बाद माना जा रहा था कि शायद यह फिल्म बंद हो गई है। लेकिन अब फिल्म दोबारा पटरी पर आ गई है और इसका पोस्ट-प्रोडक्शन काम शुरू हो चुका है। कमल हासन एक बार फिर इस फिल्म में अपने मशहूर किरदार सेनापति के रूप में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माताओं ने इसकी पुष्टि कर दी है कि 'इंडियन 3' पर काम शुरू हो गया है। फिल्म की कहानी और निर्देशन एस. शंकर ने किया है, जबकि कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट अभी घोषित नहीं की गई है। फिल्म के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'इंडियन 3' की वापसी का ऐलान किया। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया, 'सेनापति वापस आ गए हैं, जीरो टॉलरेंस के साथ।' 'इंडियन 3: वॉर मोड' में वापसी शुरू। इसके साथ एक पोस्टर भी जारी किया गया, जिसमें कमल हासन के तीन अलग-अलग किरदार दिखाई दे रहे हैं। इनमें से एक किरदार सेनापति का है। फिल्म को लेकर क्यों बनी थी असमंजस की स्थिति 'इंडियन 3' को शुरू से ही 'इंडियन 2' की कहानी का सीधा अगला हिस्सा माना गया था। दोनों फिल्मों के कई हिस्सों की शूटिंग एक साथ की गई थी। 'इंडियन 2' के अंत में भी 'इंडियन 3' की झलक दिखाई गई थी। इसमें सेनापति के अतीत की कहानी की तरफ इशारा किया गया था और उनके पिता वीरसेकरन बालराम के किरदार को भी पेश किया गया था। लेकिन जुलाई 2024 में रिलीज हुई 'इंडियन 2' उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। करीब 250 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म को इसकी कहानी और प्रस्तुति के लिए काफी नकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिलीं। यह 2024 की बड़ी बजट वाली असफल फिल्मों में भी शामिल रही। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने दुनियाभर में करीब 148-151 करोड़ रुपये की कमाई की। फिल्म की बॉक्स ऑफिस कमाई में भी जल्द गिरावट देखने को मिली।



'द ट्रेटर्स तेलुगु' की लेकर बोले तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कुल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स तेलुगु' को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। 'द ट्रेटर्स तेलुगु' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपदा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावाड़ी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेन्द्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्राव्या वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मौनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी सुजा, प्रणव उर्फ अभिनवकवि, एसएस वर्धन, राहत अचंता, गौरव सुनील, साई रोनक, पुष्पला धनंजय और फल्युनी बागेड़ा नजर आएंगे।



आईटी सर्च में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छापों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, 'यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूँ।' उन्होंने आगे लिखा, 'अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूँ और इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूँ और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूँ।' अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, 'मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूँ, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूँ कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूँ।' अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील कि की वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, 'जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छपी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूँ, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूँ। मैं समझती हूँ कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।'

मां बनने के बाद बदली श्रिया सरन की सोच

श्रिया सरन ने हाल ही में 'दृश्यम' के मेकर्स की तारीफ की है। एक्ट्रेस ने बताया कि नई मां होने के नाते फिल्म की टीम ने उनकी जरूरतों का खास ध्यान रखा। इसके अलावा मां बनने के बाद अब वो फिल्में क्या सोचकर चुनती हैं? इस पर भी एक्ट्रेस ने खुलासा किया है। बातचीत में श्रिया ने बताया कि जब उन्होंने 'दृश्यम 2' की शूटिंग की थी, तब उनकी बेटी सिर्फ 8 महीने की थी। वहीं, 'दृश्यम 3' के समय उनकी बेटी थोड़ी बड़ी हो चुकी है। एक्ट्रेस ने कहा, 'जब मैंने 'दृश्यम 2' की थी, तब मेरी बेटी 8 महीने की थी। और पार्ट 3 में, जाहिर है, वह बड़ी हो गई है। लेकिन टीम

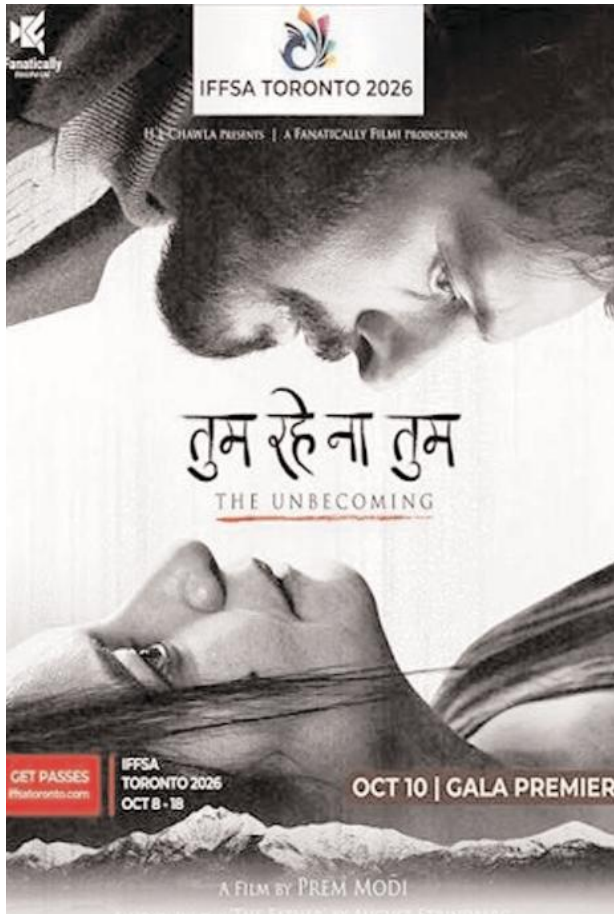
बहुत सपोर्टिव थी। शूटिंग के बाद वो मुझे पहले भेज देते थे, कई बार अजय सर से भी पहले, क्योंकि वे कहते थे कि वह नई मां हैं। वे बहुत दयालु और प्यारे हैं और मैं उनकी आभारी हूँ।' श्रिया ने यह भी बताया कि मां बनने के बाद फिल्मों को चुनने का उनका नजरिया बदल गया है। अब वह इस बात का भी ध्यान रखती हैं कि एक दिन उनकी बेटी उन्हें पढ़ें पर देखेगी।



35 साल की उम्र में दूसरी बार मां बनेंगी कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर एक बार फिर नन्हे मेहमान की किलकारी गूँजने वाली है। कपल ने बुधवार सुबह अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर इस बात की जानकारी सभी के साथ शेयर की। पोस्ट सामने आते ही फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स कपल को जमकर बधाई दे रहे हैं। कियारा आडवाणी ने इंस्टाग्राम पर पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक जॉइंट पोस्ट शेयर किया। पोस्ट में एक तस्वीर दिखाई दे रही है, जिसमें कपल के हाथ पर एक छोटे से बच्चे के सॉक्स रखे हैं और उनकी बेटी सराया ने भी उसे पकड़ रखा है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे का आशीर्वाद मिला है। हमारा दिल प्यार और शुक्रगुजार से भरा हुआ है।' कियारा और सिद्धार्थ के पोस्ट पर रकुलप्रीत सिंह ने लिखा, 'वाह, यह बहुत अच्छी खबर है।' इनके अलावा करण जोहर, परिणीति चोपड़ा, अथिया शेट्टी, भूमि पेडनेकर, करीना कपूर और मसाबा गुप्ता समेत कई हस्तियों ने बधाई देते हुए अपना प्यार लुटाया। 2025 में दिया था बेटी सराया को जन्म बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने शादी के लगभग दो साल बाद जुलाई 2025 में बेटी सराया मल्होत्रा का

स्वागत किया था। अब सराया के जन्म के डेढ़ साल बाद यह कपल फिर माता-पिता बनने वाले हैं। सलमान ने सिद्धार्थ से कही थी ये बात कुछ समय पहले सिद्धार्थ मल्होत्रा 'बिग बॉस 20' के वीकेंड का वार एपिसोड में अपनी फिल्म 'द वन' को प्रमोट करने पहुंचे थे। उस दौरान अभिनेता ने सलमान खान के साथ पिता बनने के अनुभव को शेयर किया था। सिद्धार्थ ने कहा था कि पिता बनना उनके लिए सबसे बेहतरीन रोल है। उन्होंने बेटी सराया अब करीब 15 महीने की हो चुकी है और अब वह नई चीजें सीख रही है। तभी सलमान खान ने मजाक में सिद्धार्थ से कहा था कि उम्मीद है कि वह जल्द ही एक और बेबी का वेलकम करेंगे।



टोरंटो फिल्म फेस्टिवल में धूम मचाएगी जिमी शेरगिल और दिव्या दत्ता की फिल्म

जिमी शेरगिल और दिव्या दत्ता अपनी फिल्म 'तुम रहे ना तुम' को लेकर चर्चा में आ गए हैं। साइकोलॉजिकल फैमिली ड्रामा का 10 अक्टूबर को टोरंटो में 'इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ साउथ एशिया' (आईएफएफएसए) में वर्ल्ड प्रीमियर होगा। यह फिल्म 'गाला प्रीमियर' के तौर पर दिखाई जाएगी। यह फिल्म स्वीडिश नाटककार ऑगस्ट स्ट्रिंड्बर्ग के मशहूर नाटक 'द फादर' पर आधारित है। इसमें नाटक के साइकोलॉजिकल और इमोशनल पहलुओं को आज के भारतीय परिवार के माहौल में नए सिरे से दिखाया गया है। उत्तराखंड के एक पहाड़ी शहर पर आधारित यह फिल्म एक पति-पत्नी की कहानी है, जिनकी बेटी के भविष्य को लेकर शुरू हुई लड़ाई

आगे चलकर एक गंभीर संघर्ष में बदल जाती है। 'तुम रहे ना तुम' मुख्य रूप से पावर, विरासत, माता-पिता की उम्मीदों और बच्चे का भविष्य तय करने के अधिकार जैसे मुद्दों को दिखाती है। साथ ही, यह भी दिखाती है कि पितृसत्ता, असुरक्षा और भावनात्मक घाव कैसे किसी परिवार को बदल सकते हैं। फिल्म की स्टारकास्ट इस फिल्म के निर्देशक प्रेम मोदी हैं। इसमें जिमी शेरगिल और दिव्या दत्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें तनिष्का तिवारी, हर्ष छाया, जरीना वहाब और राजेश जैस कलाकार अहम किरदारों में हैं। इसे विन्नी चावला, वृंदा चावला और सोनू कात्याल ने 'फेनेटिकली फिल्मी प्राइवेट लिमिटेड' के बैनर तले प्रोड्यूस किया है।



यामी गौतम का 'नई नवेली' में दिखेगा सबसे अलग अवतार, बताया कैसे अपनाया है 'मोहिनी' का अलग अंदाज

अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है: जहां ड्रामा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक जयन का राज है! अमेजन स्टूडियोज और कलर येलो की फिल्म 'नई नवेली' की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे टिवस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉंग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फंटेसी, मिस्ट्री और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ

अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज लेकर आ रहे हैं। एक ड्रवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूँ, जब मैंने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मजा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीजें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे स्किल्स, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक पैरेलल पर्सनेलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्क्रीन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है।

आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूटेंट हूँ जो हमेशा सोचती रहती हूँ कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रीट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ज समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हंसेगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हंसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूँ, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्विनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जबकि, इसे आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म इस दशहरा, 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।





रहाणे ने की 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को आईपीएल से हटाने की मांग

बोले- ऑलराउंडर्स के विकास में बन रहा बाधा

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के विवादित 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम की आलोचना की है। रहाणे ने इस नियम को लीग से हटाने की वकालत भी की है। रहाणे उन कई क्रिकेटरों में शामिल हो गए हैं जो इस नियम की आलोचना कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस नियम से भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स का विकास रुक रहा है और यह किसी काम का नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके रहाणे ने 'क्रिकबज' से कहा, 'मुझे लगता है कि इसे हटा दिया जाना चाहिए। मुझे याद है कि पिछले साल आईपीएल कप्तानों की बैठक से पहले, ज्यादातर कप्तानों ने कहा था कि उन्हें 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम नहीं चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियम या ग्राइंडलाइंस 2027 तक लागू हैं। इसलिए



हमें नहीं पता कि वे इसे इस साल हटाएंगे या इस साल के बाद होने वाले बड़े ऑक्शन (नीलामी) में हटाएंगे। हालांकि, असल में मुझे लगता है कि 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम का कोई मतलब या फायदा नहीं है।' रहाणे ने आगे कहा, 'यह नियम भारतीय क्रिकेट में ऑलराउंडर्स के विकास में भी बाधा डाल रहा है, क्योंकि फ्रेंचाइजी बल्लेबाज की जगह गेंदबाज और गेंदबाज की जगह बल्लेबाज को लाकर बल्ले या गेंद से बेहतर नतीजा पाने की कोशिश करती हैं। '

भारतीय टीम में हार्दिक पांड्या की कमी के कारण टीम को अक्सर उनके विकल्प की तलाश करनी पड़ती है। हालांकि, शिवम दुबे और नीतीश रेड्डी सामने आए हैं, लेकिन वे अभी भी हार्दिक की काबिलियत के स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं। इसके अलावा, भविष्य के लिए बहुत ज्यादा ऑलराउंडर्स तैयार होते नहीं दिख रहे हैं,

खासकर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स, जो अब भारतीय क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलते हैं।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा, 'खासकर आईपीएल में ऑलराउंडर्स खेल से बाहर होते जा रहे हैं। और मेरा पक्का मानना ​​? है कि आपको अपने ऑलराउंडर्स को तैयार करना चाहिए। भारतीय टीम के नजरिए से ऑलराउंडर्स बहुत जरूरी हैं। इसी कारण 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को हटा देना चाहिए। पिछले साल मैं किसी टीम का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कुछ टीमों शायद 90/7 या 100/7 के स्कोर पर थीं, और इस नियम के चलते एक अतिरिक्त बल्लेबाज को उतारकर उन्होंने 200 रन तक बना लिए थे। यही कारण है कि मुझे लगता है कि गेंदबाजों को कुछ फायदा मिला न चाहिए और ऑलराउंडर्स भी खेल में पूरी तरह शामिल होने चाहिए। उन्हें इसे हटा देना चाहिए। '

संक्षिप्त

समाचार

चेन्नई में होने वाले ऐतिहासिक बीबीएल मैच की टिकट बिकी शुरू

पर्थ स्कॉटर्स से होगी मेलबर्न रेनगेइस की मिडैंट

मेलबर्न । मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉटर्स के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होने वाले ऐतिहासिक बिग बैश लीग (बीबीएल) सीजन 16 के ओपनिंग मैच के टिकट शनिवार से बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए हैं। शुरुआती दौर के टिकट भारत में 'डिस्ट्रिक्ट बाय ज़ोमेटो' वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और आने वाले दिनों में और टिकट भी जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, 4 या 12 दिन के इंटरनेशनल ट्रैवल पैकेज भी बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें मैच



के टिकट और बिग बैश लीग का मर्चेंडाइज शामिल है। इन पैकेजों को खास तौर पर क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ट्रैवल ऑफिस ने तैयार किया है। 12 दिसंबर को होने वाला यह मैच ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच बन सकता है। बिग बैश लीग एक ऐसे स्टेडियम में फैस के लिए शानदार अनुभव पेश करने की तैयारी कर रही है, जिसने पहले भी कई यादगार क्रिकेटिंग पल देखे हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के बिग बैश लीग्स के एजीक्यूटिव जनरल मैनेजर एलिस्टर डॉब्सन ने शनिवार को एक बयान में कहा, 'खचाखच भरा स्टेडियम ही बीबीएल की असली पहचान है, और हम चेन्नई में बिग बैश का एक हिस्सा लाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओ'रूके भारत दौरे से बाहर

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को एक और बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज विल ओ'रूके भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज से बाहर हो चुके हैं। 125 साल के ओ'रूके बाई हेमस्ट्रिंग और पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और फिलहाल रिहेब प्रक्रिया में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, ओ'रूके को आराम दिया जा रहा है। मैनेजमेंट उन्हें लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि दिसंबर-जनवरी में टीम को



ऑस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैचों की बेहद अहम सीरीज खेलनी है। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा, 'यह निराशाजनक है कि विल को भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर इतने बड़े दोरे से बाहर होना पड़ा। वह वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज में हमारी योजना का हिस्सा थे, लेकिन बातचीत के बाद हम सभी इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें चोटों से उबरने के लिए कुछ और समय देना चाहिए। '

उन्होंने कहा, 'अगले कुछ महीनों में हमारे तेज गेंदबाजी संसाधन बहुत जरूरी होंगे, इसलिए हम विल की वापसी को बेहतर तरीका अपना रहे हैं। हम चाहते हैं कि वह दोबारा मैदान पर उतरने से पहले पूरी तरह फिट हो जाएं। '

होप का तूफान

वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 में भारत को 6 विकेट से हराया

रांची। वेस्टइंडीज ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारत को 6 विकेट से हराया। रांची के जेएससीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत से मिले 250 रनों के विशाल लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल किया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कामिल पूरन सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। शिमरोन हेटमायर को मयंक यादव ने पहली ही गेंद पर क्लीन बोल्ट किया। रोवमैन पॉवेल ने 13 गेंदों में 24 रन बनाए और वह मयंक यादव का तीसरा शिकार बने। 58 के स्कोर पर 3 विकेट गंवाने के बाद वेस्टइंडीज की लड़खड़ाती हुई पारी को कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी निभाई। रदरफोर्ड और होप ने मिलकर 54 गेंदों में 120 रनों की साझेदारी निभाई। रदरफोर्ड ने 37 गेंदों में 7 चौके और सात गगनचुंबी छक्कों की मदद से 84 रनों की

आतिशी पारी खेली। रदरफोर्ड के आउट होने के बाद भी कप्तान होप एक छोर पर डटे रहे और उन्हें रोमारियो शेफर्ड के रूप में एक और अच्छा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 26 गेंदों में 74 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। होप ने शतकीय पारी खेली। वेस्टइंडीज के कप्तान 45 गेंदों में 102 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, शेफर्ड 13 गेंदों में 34 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से गेंदबाजी में मयंक यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। इससे पहले, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 249 रन लगाए। टीम की ओर से संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों में 82 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9 चौके और 4 छक्के लगाए। हालांकि, अभिषेक शर्मा अच्छे शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और वह 12 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 22 गेंदों में 43 रनों का योगदान दिया। शिवम दुबे 7 रन बनाकर आउट हुए। अंत के ओवरों में श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा ने मोर्चा संभाला और पांचवें विकेट के लिए 32 गेंदों में 83 रन जोड़े। अय्यर ने 18 गेंदों में 40 रन बनाए, तो तिलक 3 चौके और इतने ही छक्कों की मदद से 44 रन बनाकर नाबाद रहे।



वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 में श्रेयस अय्यर की जगह

शिवम को भेजना भारतीय टीम को महंगा पड़ा

नई दिल्ली । भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टी20 शुक्रवार को रांची में खेला गया। हाई-स्कोरिंग रहे इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने भारतीय टीम को चौकाते हुए 6 विकेट से जीत हासिल की। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की यह सबसे बड़ी जीत थी। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के 82, ईशान किशन के 43, श्रेयस अय्यर के 40 और तिलक वर्मा के नाबाद 44 रन की बदौलत 20 ओवर में 5 विकेट पर 249 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज ने अपने कप्तान और सलामी बल्लेबाज शाई



होप के 45 गेंदों पर 9 छक्कों और 6 चौकों की मदद से बनाए विस्फोटक 102 रन और शरफेन रदरफोर्ड के 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 7 चौकों की मदद से बनाए 84 रनों की बदौलत 18.3 ओवर में 4 विकेट पर 252 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज का टी20 में यह सबसे बड़ा रन-चेज था। वेस्टइंडीज ने बेशक यह मैच जीत लिया और इसका पूरा श्रेय उसे दिया जाना चाहिए, लेकिन भारतीय टीम मैनेजमेंट ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान रणनीतिक चूक न की होती, तो शायद परिणाम पक्ष में

पाकिस्तान हॉकी टीम नहीं लेगी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में हिस्सा

बांग्लादेश को मिली जगह

नई दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम ने आधिकारिक तौर पर पंजाब में होने वाली पुरुषों की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से अपना नाम वापस ले लिया है। जालंधर और मोहाली में 27 अक्टूबर से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की जगह अब बांग्लादेश खेलेगा। पाकिस्तान के सीमा पार यात्रा न करने के फैसले का मतलब है कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और मेजबान भारत का मुकाबला 27 अक्टूबर को टूर्नामेंट के पहले दिन बांग्लादेश से होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने शुक्रवार को इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय टूर्नामेंट का पूरा मैच शेड्यूल जारी किया। यह



टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब के दो मशहूर हॉकी स्टेडियमों - जालंधर में ओलंपियन सूरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम और मोहाली में ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम - में खेला जाएगा। मौजूदा चैंपियन भारत और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में भाग लेने वाली अन्य चार टीमों मलेशिया, जापान, साउथ कोरिया और चीन हैं।

मैं हमेशा से टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता था

लेकिन समय और हालात सही नहीं रहे: एनरिक नॉर्टजे

नई दिल्ली । तीन साल बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्टजे ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद नॉर्टजे ने टेस्ट क्रिकेट को खेल का सबसे बेहतरीन और चुनौतीपूर्ण फॉर्मेट बताया। नॉर्टजे ने आखिरी बार 2023 में सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लिए टेस्ट मैच खेला था। पहले टेस्ट के शुरुआती दिन उन्होंने दो विकेट लिए और मेजबान टीम को ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 187/6 पर रोकने में मदद की, जिसके बाद शुक्रवार को खराब रोशनी और बारिश के कारण खेल जल्दी खत्म करना पड़ा। दारु हथ के तेज गेंदबाज ने एक ही ओवर में

एलेक्स कैरी (14) और ब्यू वेबस्टर (4) को आउट किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 124/6 हो गया। फिटनेस की समस्याओं और मौकों के हाथ से निकल जाने के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नॉर्टजे टेस्ट टीम में लौटे हैं। 'क्रिकइन्फो' के अनुसार, नॉर्टजे ने कहा, 'मैं हमेशा से टेस्ट खेलना चाहता था। मगर मौके, समय और हालात हमेशा सही नहीं रहे। जाहिर है कि कुछ समस्याओं के कारण चीजें हमेशा वैसी नहीं हुईं जैसी होनी चाहिए थीं। ' टेस्ट



गेंदबाजी करने के बजाय बहुत जल्दी अपनी रणनीति बदल दी। उनके मुताबिक, ऐसे हालात में धैर्य बनाए रखना और बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखने के लिए लगातार अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था। वरुण एरोन ने

होप और रदरफोर्ड ने शानदार खेल दिखाया। यह लगभग बैटमैन और रॉबिन जैसी साझेदारी थी। शाई होप ने एक छोर संभाले रखा और पारी को स्थिर रखा, जबकि रदरफोर्ड लगातार रन बनाते रहे।

क्रिकेट में वापसी की अपनी पिछली कोशिशों को याद करते हुए एनरिक नॉर्टजे ने उस चोट का जिक्र किया, जिसने उनकी राह मुश्किल बना दी थी। तेज गेंदबाज ने बताया कि पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान लगी चोट की वजह से वह लंबे समय तक मैदान से दूर रहे और टेस्ट टीम में वापसी की उनकी योजनाएं प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के सबसे करीब पहुंचा था। वनडे मैचों के दौरान मेरे पैर की उंगली टूट गई थी, जब डेविड नेट्स में मुझे रिवर्स स्विंग गेंद फेंक रहे थे। तो हां, अतीत में ऐसा मौका आया था। आखिरकार सब कुछ ठीक हो गया और मैं मैदान पर वापस आ सका, देश के लिए फिर से खेल सका, खासकर टेस्ट कैप पहन सका। घर पर रखे-रखे यह थोड़ी पुरानी हो गई है।



एसजीपीसी चुनाव करानेकी मांग: चार सिख संगठनों ने गृह मंत्री को लिखा पत्र



अमृतसर , एजेंसी। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के आम चुनाव कराने की मांग फिर तेज हो गई है। चार सिख संगठनों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा है। इसमें सिख संस्था में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने और नए नेतृत्व चुनने की मांग की गई है। सिख चिंतक मंच, पंचक बुद्धिजीवी काउंसिल, सिख फोरम और सिख यूथ फेडरेशन ने यह पत्र भेजा है।। संगठनों के पदाधिकारियों एडवोकेट आरएस बिंद्रा, अवतार सिंह, हरी सिंह और गुरबख्शा सिंह थिंद ने ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि सिख गुरुद्वारा एक्ट, 1925 के तहत हर पांच साल में चुनाव होने चाहिए। लेकिन 2011 के बाद से अब तक आम चुनाव नहीं हुए हैं। संगठनों ने गुरुद्वारा चुनाव आयोग को नए चुनाव कराने के निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने मतदाता सूची को भी पारदर्शी तरीके से तैयार करने पर जोर दिया। ज्ञापन में एसजीपीसी के मौजूदा हाउस पर सवाल उठाए गए हैं। 191 सदस्यों वाले हाउस में सदस्यों के निधन और इस्तीफों से कई सीटें खाली हैं। वर्तमान में करीब 144 सदस्य ही बचे हैं। इतने लंबे समय तक चुनाव न होने से प्रतिनिधित्व और जवाबदेही पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वर्ष 2011 के चुनाव में करीब 57 लाख मतदाता पंजीकृत थे। इनमें पंजाब के 52.69 लाख, हरियाणा के 3.75 लाख, हिमाचल प्रदेश के 23 हजार और चंडीगढ़ के लगभग 12 हजार मतदाता शामिल थे।

रोहित शर्मा ने उस वर्ल्ड कप वॉक के पीछे की कहानी बताई, जो एक आइकॉनिक सेलिब्रेशन बन गई थी

मुंबई। कुछ जश्न सिर्फ उस उपलब्धि की वजह से यादगार नहीं बनते, जिसका वे प्रतीक होते हैं, बल्कि उस पल की वजह से भी याद रखे जाते हैं जो उसके बाद आता है। विश्व कप ट्रॉफी उठाते समय रोहित शर्मा का आइकॉनिक वॉक ऐसा ही एक यादगार सेलिब्रेशन बन गया था और फैमिली फूल हाउस विद रोहित शर्मा में हिटमैन ने इसके पीछे की कहानी साझा की। जमनादास माजेठिया और चुंबक की स्टारकार्ड के साथ बातचीत के दौरान, रोहित ने बताया कि कैसे उनके टीममेट्स के एक सहज सुझाव ने इस अब आइकॉनिक बन चुके पल को जन्म दिया।भारत की विश्व कप जीत के बाद हुए जश्न के बारे में पूछते हुए, जमनादास माजेठिया ने रोहित से कहा, हम आपसे एक सवाल पूछना चाहेंगे। आपने जो हिंदुस्तान की शान, श्र20 वर्ल्ड कप जीता था, और वो जो ट्रॉफी लेते वक़्त आइकॉनिक जो डांस किया था-रोहित ने जवाब दिया, वो डांस नहीं था, वो वॉक था।जब जमनादास ने पूछा, वो वॉक का आइडिया किसका था?, रोहित ने खुलासा किया कि यह आइडिया उनके कुछ साथियों से आया था, जिसमें कुलदीप यादव और रक्षभ पंत भी शामिल थे। उन्होंने कहा, वास्तव में हमारे 3-4 लोग हैं टीम में, उस समय पे मुझे याद नहीं কোন কোন थे पार ये कुलदीप मुझे याद है, फिर रक्षभ थे वहां पर और 2-3 लोग और थे।उन्होन मुझे बोला,रोहित भाई, ये अपना बोरिंग वॉक करके ट्रॉफी मत उठाना, कुछ दिलचस्प कर ना। सोच रहा था क्या करूँ मैं, फिर मैंने तय किया कि ये वर्ल्ड कप उठाने जा रहा हूँ कोई मजाक नहीं है मैं नॉर्मल जाऊँगा। लेकिन पता नहीं मुझे उधर जाते-जाते क्या हो गया, मैं बस ऐसे-ऐसे करके चलने लगा। इसके बाद बातचीत ने एक मजेदार मोड़ लिया, जब जमनादास ने रोहित से पूछा कि क्या चुंबक की टीम उनके साथ उस आइकॉनिक वॉक को दोबारा कर सकती है।

तनाव के बीच कुकी-नागा समूहों में फायरिंग जारी

इंफाल, एजेंसी। अशांत मणिपुर से एक बार फिर बेहद तनावपूर्ण खबर सामने आई है। राज्य के कामजोंग जिले में एक 5 बच्चों की मां की सदिग्ध परिस्थितियों में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात के बाद इलाके में भारी हिंसा भड़क उठी है और कुकी तथा नागा समूहों के बीच ताबड़तोड़ गोलीबारी शुरू हो गई है। हालात को बेकाबू होते देख प्रशासन ने इलाके में सख्त पाबंदियां लागू कर दी हैं। बता दें कि यह घटना शुक्रवार रात करीब 9-35 बजे चासाद गांव की है। मामलों में अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि शुक्रवार रात चासाद गांव में अज्ञात हमलावरों ने एक महिला को गोली मार दी। पांच बच्चों की इस मां को गर्दन के पास गोली लगी थी, जिससे उसने मौके पर ही कुछ मिनटों के भीतर दम तोड़ दिया।

जमीन खरीद-फरोख्त में टैक्स और स्टांप ड्यूटी चोरी का खेल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के आयकर विभाग ने टैक्स और स्टांप ड्यूटी चोरी करने के एक बेहद शातिर तरीके का खुलासा किया है। इस खुलासे के सामने आने के बाद से अधिकारियों के साथ-साथ लोग भी हैरान रह गए हैं।

शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस अनोखे फर्जीबाड़े के जरिए 300 करोड़ रुपये से ज्यादा के भूमि सौदों में पैसों की हेराफेरी और कम रिपोर्टिंग का मामला सामने आया है। साफ-शब्दों में कहते तो यह नया पैतरा पूरे देश के लिए चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इसका असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ सकता है।

कैसे की जा रही थी टैक्स की चोरी?

आयकर विभाग की इवेस्टिगेशन विंग ने पाया कि जमीन की खरीद-फरोख्त के दौरान जो रजिस्टर्ड सेल डीड बनवाई जा रही थी



असली खेल इसके बाद शुरू होता था...

बाकी बची हुई बड़ी रकम का भुगतान करने के लिए 'फुल एंड फाइनल सेटलमेंट डीड' तैयार की जाती थी, जो कि अनारक्षित होती थी। सबसे शातिर वाली बात यह थी कि इस

उसमें संपत्ति की पूरी कीमत बहुत कम करके दिखाई जा रही थी।

अतिरिक्त रकम का भुगतान बैंकिंग ऑनलाइन या बैंक ट्रॉसफर के जरिए से किया जाता था ताकि सबूत मिटाने में आसानी हो। जांच में यह बात सामने आई है कि स्थानीय बिल्डर्स इस तरीके का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर बड़े जमीन के टुकड़े खरीदने और फिर वहां रियायती प्लेट या प्लॉट विकसित करने के लिए कर रहे थे। इस बात को ऐसे समझिए कि चूँकि अतिरिक्त भुगतान सेल डीड का हिस्सा नहीं होता था, इसलिए खरीदार को राज्य सरकार को कोई स्टांप ड्यूटी या रजिस्ट्रेशन फीस नहीं चुकानी पड़ती थी। इससे सरकारी खजाने को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा था। टैक्स अधिकारियों ने इस बात की चेतावनी कर्नाटक के रजिस्ट्रेशन विभाग को दे दी है। इतना ही नहीं कई मामलों में खरीदारों ने ‘शहरी कृषि भूमि’ खरीदने के बावजूद टीडीएस नहीं काटा।

वेंस-हेगसेथ एकमत नहीं: पेंटागन की योजना पर उपराष्ट्रपति को संशय, क्या पहली बार टीवी पर मृत्युदंड देखेंगे लोग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शुक्रवार को इस बात पर संदेह जताया कि पेंटागन दिसंबर में फोर्ट हुड गोलीबारी के दोषी निदाल मलिक हसन की मौत की सजा का सीधा प्रसारण करेगा या नहीं। हालांकि, उन्होंने पत्रकारों से कहा कि अगर इसका सीधा प्रसारण होता है, तो वह इसे नहीं देखेंगे।

उपराष्ट्रपति वेंस से पेंटागन की योजना के बारे में सवाल पूछा गया। पेंटागन ने गुरुवार को इस योजना की पुष्टि की थी। इस पर वेंस ने कहा, मुझे नहीं पता कि वास्तव में ऐसा होने वाला है या नहीं। इसके बाद वेंस ने सार्वजनिक रूप से मौत की सजा देने की इस विवादित योजना से जुड़े विवाद को अलग रखने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हसन के अपराधों को भुलाया नहीं जाना चाहिए।

फांसी देने के तरीके को लेकर चाहे जो भी विवाद हो, मैं उम्मीद करता हूं कि लोग यह न भूलें कि यह वही

नॉर्वे पर भड़के हैं ट्रंप: बोले-आठ बार युद्ध रोकने के लिए मिलना चाहिए था नोबेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने से नाराज हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने आठ युद्ध सुलझाए हैं, इसलिए उन्हें हर युद्ध के लिए एक यानी कुल आठ नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे। शुक्रवार को सिरैक्यूज में एक रैली के दौरान ट्रंप ने पुरस्कार नहीं देने के फैसले पर नॉर्वे की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका को यह पुरस्कार नहीं मिलना देश के लिए एक ऐसा दाग है, जिसे मिटाना नहीं जा सकेगा। ट्रंप ने कहा कि कुछ कट्टरपंथी विचारधारा वाले लोगों ने नोबेल शांति पुरस्कार की साख हमेशा के लिए खत्म कर दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह नहीं भूलेगा कि नॉर्वे ने उसे यह पुरस्कार नहीं दिया। ट्रंप ने अपने रिकॉर्ड का जिक्र करते हुए कहा कि आठ युद्ध सुलझाने के लिए उन्हें आठ नोबेल शांति पुरस्कार मिलने चाहिए थे। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियारों से तैस भारत और पाकिस्तान को युद्ध में उलझने से रोका और इससे पांच करोड़ लोगों की जान बचाई। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोका, जिससे पूरा मध्य पूर्व तबाह होने से बच गया। ट्रंप के मुताबिक, इसका असर यूरोप और संभवतः अमेरिका तक पड़ सकता था। ये सभी दावे ट्रंप ने अपने संबोधन में किए। इस साल नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की पूर्व संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख नवी पिल्लैई को दिया गया है। ट्रंप ने पुरस्कार विजेता पर तंज कसते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र में काम करने वाली एक उदारवादी विचारों की व्यक्ति को यह पुरस्कार मिला है।



रूस ने की आईसीसी प्रमुख के प्रत्यर्पण की मांग: जापान ने किया विरोध

टोक्यो, एजेंसी। जापान ने शुक्रवार को रूस को उस मांग का कड़ा विरोध किया, जिसमें नीदरलैंड से अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) की अध्यक्ष और जापानी नागरिक तोमोको अकाने समेत अदालत के आठ अन्य अधिकारियों को रूस को सौंपने के लिए कहा गया है। आईसीसी का मुख्यालय यूरोपीय देश नीदरलैंड में है।

रूस ने इन नौ लोगों के प्रत्यर्पण की मांग की है। यह कदम आईसीसी की ओर से 2023 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट के जवाब में उठाया गया। यह वारंट यूक्रेन युद्ध के मामले में जारी किया गया था। पिछले साल मॉस्को की एक अदालत ने इन नौ लोगों को उनकी गैरमौजूदगी में जेल की सजा सुनाई थी।

जापान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि टोक्यो ने मॉस्को के साथ बातचीत के दौरान इन मांगों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है। जापान के उप मुख्य कैबिनेट सचिव मसानाओ ओजका ने पत्रकारों से कहा, आईसीसी से जुड़े लोगों को निशाना बनाने वाले कदम अन्यायपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। इसके बावजूद रूस ने कई देशों से प्रत्यर्पण की मांग की है। हमें इस बात का अफसोस है। ओजका ने कहा कि

सदर अस्पताल में मनाया गया विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस
धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शनिवार को सदर अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. संजीव कुमार प्रसाद एवं मनोचिकित्सक डॉ. संजय कुमार ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक बीमारियों के प्रति जागरूकता तथा समय पर उचित उपचार और परामर्श लेने की आवश्यकता पर जानकारी दी। प्रभारी सिविल सर्जन डॉ. संजीव कुमार प्रसाद ने बताया कि इस वर्ष की थीम 'अनुभव: सुनी हुई बातें, असली आवाजें, असली बदलाव' का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से गुजर चुके लोगों के वास्तविक अनुभवों को सुनना और उन्हें महत्व देना है। उनके अनुभवों के आधार पर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सकारात्मक बदलाव लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। मानसिक परेशानियों से जूझ रहे लोगों की बात सुनना, उनके अनुभवों का सम्मान करना और उन्हें उचित सहयोग देना जरूरी है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मानसिक बीमारियों से जुड़े भ्रम एवं भेदभाव को दूर करना तथा जरूरतमंद लोगों को उचित सहायता और उपचार के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में अस्पताल के कर्मचारी, एएनएम प्रशिक्षण संस्थान की छात्राएं एवं मरीज उपस्थित रहे।

मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान, 55 यात्री पकड़े गए
86.815 रुपये जुर्माना वसूला, बिना उचित टिकट यात्रा करने वालों को दो गई हिदायत
धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल में बिना टिकट यात्रा करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को धनबाद रेलवे स्टेशन पर मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया। यह अभियान दोपहर 3:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक चला। इसमें धनबाद का स्टवा संख्या-2 और धनबाद स्लीपर की एलआर चेकिंग टीम के कर्मचारियों ने भाग लिया। अभियान के दौरान कुल 55 यात्रियों को पकड़ा गया। इनमें बिना टिकट यात्रा करने वाले, उचित प्राधिकार के बिना यात्रा करने वाले तथा बिना बुक कराए सामान के साथ सफर करने वाले यात्री शामिल थे। पकड़े गए यात्रियों से जुर्माने के रूप में कुल 26,815 रुपये की वसूली की गई। साथ ही उन्हें भविष्य में उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की सख्त हिदायत दी गई। टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशन के अनास्थित टिकट काउंटरों पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। रेलवे की ओर से यात्रियों को यात्रा शुरू करने से पहले निर्धारित श्रेणी का वैध टिकट लेने की सलाह दी गई। धनबाद मंडल की ओर से बताया गया कि टिकट जांच अभियान लगातार जारी रहेगा। इसका उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाने के साथ रेलवे के नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करने से पहले उचित टिकट अवश्य लें और जिस श्रेणी का टिकट उनके पास है, उसी श्रेणी में यात्रा करें। नियमों का पालन करने से यात्रियों को असुविधा से बचने के साथ रेल व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में भी मदद मिलेगी।

वोट चोरी के विरोध में धनबाद में छात्रों का आक्रोश मार्च

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वोट चोरी के आरोपों और दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन के समर्थन में शनिवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की धनबाद इकाई ने आक्रोश मार्च निकाला। रितेश मिश्रा के नेतृत्व में निकला यह मार्च रणधीर वर्मा चौक से शुरू होकर डीआरएम चौक पहुंचा। इसमें लॉ कॉलेज इकाई के 120 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इनमें 31 परिपद सदस्य और नौ संगठनात्मक टीम के सदस्य शामिल थे। मार्च के दौरान विद्यार्थियों ने ‘‘वोट चोर गंदी छोड़ो’’, ‘‘लोकतंत्र बचाओ’’ और ‘‘जंतर-मंतर की एकता जिंदाबाद’’ जैसे नारे लगाए। डीआरएम चौक पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए रितेश मिश्रा ने कहा कि यह मार्च लोकतंत्र की रक्षा के लिए चल रहे संघर्ष का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी के जरिए सरकार छत्र-युवाओं की आवाज दबाना चाहती है। उन्होंने कहा कि सांठन के कार्यकर्ता इस मुद्दे पर सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखेंगे। मार्च में नवनिर्वाचित अध्यक्ष स्नेहा होरा, सचिव अताफ इमाम, उपाध्यक्ष तनवीर अहमद, सुमन महतो, अभिजीत महतो, संयुक्त सचिव अलीजा और अभिजीत साहू सहित कोर कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। मार्च शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। अंत में पददर्शनकारियों ने प्रशासन के माध्यम से राफूटपटि के नाम जापान सीपा।

कांग्रेस ने मनाया काला दिवस

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी और झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर शनिवार को धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी ने रणधीर प्रसाद वर्मा चौक पर काला दिवस मनाया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने विपक्ष के 300 सांसदों के साथ हुई कथित पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ भी आवाज उठाई। कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता, सैवधानिक मूल्यों की रक्षा और विपक्ष की आवाज का सम्मान सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी सांसदों के साथ हुई पुलिसिया कार्रवाई लोकतांत्रिक व्यवस्था और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल खड़े करती है।

इस्तीफे तक जारी रहेगा विरोध : संतोष सिंह

धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर पार्टी का विरोध जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज दबाने के बजाय उसकी बात सुनी जानी चाहिए। कांग्रेस संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। कार्यक्रम में बृजेंद्र प्रसाद सिंह, मदन महतो, अशोक कुमार सिंह, राशिद रजा अंसारी, मनोज यादव, व्‍यूम खान, सीता राणा, कालीचरण यादव, राम गोपाल भुवानीया, मुख्तार खान, शाहीद कम्मर, दिनेश यादव, महेंद्र दुबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

पति ने पत्नी, सास और झड़वर पर लगाया मारपीट का आरोप
बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन के पति रमेश कुमार ने अपनी पत्नी, सास और उनके झड़वर पर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए सिटी थाना में आवेदन दिया है। पुलिस ने उन्हें मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेजा, जहां उनके कंधे, हाथ और जांघ पर दांत काटने से जख्म के निशान मिलने की बात सामने आई है। रमेश कुमार के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे उनकी पत्नी ने झड़वर को धमकी देने के संबंध में सवाल किया। उन्होंने धमकी देने से इन्कार किया, जिसके बाद दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। रमेश कुमार ने आरोप लगाया कि विवाद बढ़ने पर उनके भाई मारपीट की गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनकी पत्नी को जिला प्रशासन में पदस्थ एक अधिकारी के स्ट्रेनो अज्ञय यादव का संरक्षण प्राप्त है। रमेश कुमार के मुताबिक, सिटी थाना परिसर में मौजूद रहने के दौरान उनकी पत्नी के फूफाजी का फोन आया। उन्होंने कथित तौर पर उन्हें उठा लेने की धमकी दी और अन्य धमकी भरी बातें कहीं। रमेश कुमार ने बताया कि वह पहले सेना में नौकरी करते थे, लेकिन नौकरी छोड़कर बच्चों और परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उनका आरोप है कि अब उन्हें पत्नी की ओर से बार-बार प्रताड़ित किया जा रहा है। इस मामले में जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन का पक्ष जानने के लिए कई बार फोन किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। फिलहाल पुलिस ने आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले में पुलिस की जांच और संबंधित पक्षों का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन की तर्ज पर बनेगा बरोरा का दुगार्पूजा पंडाल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाघमारा कोयलांचल के बरोरा में इस वर्ष दुगार्पूजा पर लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन की तर्ज पर भव्य पंडाल तैयार किया जा रहा है। 48 वर्षों से चली आ रही पूजा की परंपरा को भव्य रूप देने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस बार पंडाल 65 फीट ऊंचा और 110 फीट चौड़ा होगा। वर्ष 1978 में महज 2100 रुपये के बजट से शुरू हुई पूजा का आयोजन अब 15 लाख रुपये तक पहुंच गया है। बरोरा में दुगार्पूजा की शुरूआत वर्ष 1978 में स्व. लालचंद महतो, स्व. बाबूलाल महतो, स्व. गौनी सिंह, स्व. बड़कू सिंह, स्व. झोटन कुम्हार, प्रबंधन कुमार बिसियार, स्व. किंसुन कुम्हार, स्व. मोतीलाल कुम्हार, गोपाली कुम्हार और पूर्व मुखिया बासुदेव महतो के प्रयासों से हुई थी।

दुर्गा पूजा को लेकर धनबाद पुलिस अलर्ट, पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द

411सितंबर में 411 कांड दर्ज, 474 मामलों का निष्पादन, लंबित मामलों की संख्या 1500 से नीचे लाने का लक्ष्य



साइबर अपराधियों के नेटवर्क पर होगी कार्रवाई

एए, जबकि 474 मामलों का निष्पादन हुआ। इसके बाद लंबित कांडों की संख्या घटकर 1634 रह गई है। एसएसपी ने दिसंबर तक लंबित मामलों की संख्या 1500 से नीचे लाने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने अनुसंधान में तेजी लाने, साक्ष्यों के आधार पर सम्यबद्ध जांच पूरी करने और आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समय पर आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया।

सितंबर में 411 कांड दर्ज, 474 का निष्पादन
समीक्षा बैठक में बताया गया कि सितंबर माह में जिले में कुल 411 कांड दर्ज किए

सितंबर माह में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 68 लाख 35 हजार रुपये का चालान किया गया। एसएसपी ने प्रमुख चौक-चौराहों, व्यस्त सड़कों और दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही चोरी और गृहभेदन की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए रात्रि गश्ती तेज करने तथा सर्वेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने को कहा।

नियोजन की मांग पर विस्थापितों की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू, विधायक श्वेता सिंह भी समर्थन में

प्रेम महतो के परिजन को नौकरी और अप्रेंटिस कर चुके विस्थापितों को नियोजन देने की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट में नियोजन की मांग को लेकर विस्थापित अप्रेंटिस संघ ने आंदोलन तेज कर दिया है। शनिवार को बीएसएल प्रशासनिक भवन के समीप स्थित टू टेन गार्डन में विस्थापितों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। आंदोलन में कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह भी शामिल हुईं और विस्थापितों के समर्थन में भूख हड़ताल पर बैठ गईं। आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में सीआईएसएफ के लाठीचार्ज में जान गंवाने वाले प्रेम महतो के परिजन को नौकरी देने तथा अप्रेंटिस का प्रशिक्षण पूरा कर चुके विस्थापितों को नियोजन प्रदान करना शामिल है। विस्थापितों का आरोप है कि बीएसएल प्रबंधन, जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से नियोजन का आश्वासन दिया गया था, लेकिन 16 महीने बीत जाने के बाद भी वादे पूरे नहीं हुए। प्रेम महतो की मौत के बाद उसके परिजन को नौकरी देने और अप्रेंटिस कर चुके विस्थापितों को क्रमवार नियोजन देने की बात कही गई थी। हालांकि, अब तक ठोस पहल नहीं होने से विस्थापितों में नाराजगी



बढ़ गई है। भूख हड़ताल में प्रेम महतो की मां गोमवती देवी भी शामिल हैं। अपने बेटे की मौत के बाद परिवार को नौकरी मिलने की मांग को लेकर उनका आंदोलन में शामिल होना इस विरोध को भावनात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण बना रहा है। विस्थापित नेताओं ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। इसके तहत बोकारो स्टील प्लांट की बिजली और पानी की आपूर्ति ठप करने जैसा कदम उठाने की चेतावनी भी दी गई है। कांग्रेस विधायक श्वेता

किशोरियों और महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित
बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर टांगंटोना पंचायत के बगियारी गांव में सहयोगिनी संस्था की ओर से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें किशोरियों एवं महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक स्थिति और दैनिक जीवन में होने वाले तनाव के प्रभावों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में बताया गया कि पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक जिम्मेदारियां, सामाजिक भेदभाव, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, आर्थिक समस्याएं और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां किशोरियों एवं महिलाओं में मानसिक तनाव का कारण बन सकती हैं। लगातार तनाव का असर उनके आत्मविश्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पारिवारिक संबंधों और सामाजिक भागीदारी पर पड़ सकता है। इस अवसर पर सहयोगिनी संस्था की एग्निमैटर रेखा देवी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। किशोरियों एवं महिलाओं की समस्याओं को समझना, उनकी बातों को ध्यान से सुनना और जरूरत के अनुसार सहयोग देना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानसिक तनाव होने पर अपनी समस्याओं को परिवार के विश्वसनीय सदस्यों या परामर्शदाता के साथ साझा करना चाहिए।

बीएसएल के जैविक उद्यान में वन्यजीव सप्ताह का समापन, विजेता विद्यार्थी सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के जवाहरलाल नेहरू जैविक उद्यान में आयोजित एएसआईएससी साह-2026 के तहत सप्ताहव्यापी कार्यक्रम ‘आरण्यक-2026’ का समापन विशेष समारोह के साथ हुआ। समारोह में बीएसएल के निदेशक प्रभारी, अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक और झारखंड राज्य वन विभाग, बोकारो के प्रमंडलीय वन पदाधिकारी (डीएफओ) सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, विद्यार्थी और अन्य आगंतुक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

वन्यजीव संरक्षण के प्रति किया जागरूक
‘आरण्यक-2026’ का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता के महत्व और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। सप्ताहभर आयोजित शैक्षणिक, जागरूकता और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। निदेशक प्रभारी ने अपने संबोधन में कहा कि पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए वन्यजीवों और जैव विविधता का संरक्षण बेहद जरूरी है। वन्यजीवों के साथ उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करना



भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों और आम नागरिकों से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने तथा प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

प्रतियोगिताओं के विजेता हुए सम्मानित
वन्यजीव साह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समारोह में सम्मानित किया गया। भाग्य प्रतियोगिता में चिन्मय विद्यालय की ज्ञानश्री ने प्रथम, कैराली खिंगडेल

दुर्गा पूजा को लेकर धनबाद पुलिस अलर्ट, पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द

दुकानों की सुरक्षा मजबूत करने के लिए विशेष सुरक्षा ऑडिट करने, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने और सुरक्षा गार्ड की उपलब्धता की समीक्षा करने का निर्देश भी दिया गया। इसके अलावा आईटी एकट और पॉक्सो एक्ट के तहत लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने पर जोर दिया गया।

दुर्गा पूजा में अतिरिक्त बल की तैनाती
आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए पूजा पंडालों, प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत रखने के लिए पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। होमगार्ड, चौकीदार और अतिरिक्त बल की तैनाती की भी व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रमुख मार्गों पर यातायात में बदलाव, नो-एंट्री और वन-वे व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। आम लोगों को रूट परिवर्तन की जानकारी समय पर उपलब्ध

कराने के साथ सड़कों की मरम्मत और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

पूजा पंडालों में वलेगा जागरूकता अभियान

धनबाद पुलिस की ओर से पूजा पंडालों में साइबर सुरक्षा और नशामुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। पूजा समितियों को जागरूकता संबंधी बैनर और फ्लैग लगाने का निर्देश दिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव और नशे के दुष्परिणामों की जानकारी मिल सके। एसएसपी प्रभात कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिया कि अपराध निंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन और दुर्गा पूजा की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी पुलिस पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को जीवनशैली में शामिल करने पर जोर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बोकारो जिले में संचालित मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर्यवार्डे का समापन शनिवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ हुआ। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों एवं नोडल सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने तथा मानसिक विकारों की रोकथाम में योग, प्राणायाम और तनाव प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका है। नियमित योगाभ्यास से तनाव निंत्रण, भावनात्मक संतुलन और बेहतर नींद में मदद मिल सकती है। उन्होंने



मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं की शुरूआती पहचान, समय पर परामर्श और उचित उपचार सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही प्रशिक्षित कर्मियों से समाज में मानसिक रोगों के प्रति फैली प्रतियौं और सामाजिक कलंक को दूर करने की अपील की। सदर अस्पताल के मनोरोग चिकित्सक डॉ. प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि योग एवं ध्यान तनाव, चिंता और नींद संबंधी समस्याओं के प्रबंधन में सहायक हो सकते हैं। हालांकि, अवसाद और अन्य मानसिक विकारों में योग को निर्धारित चिकित्सा का विकल्प नहीं, बल्कि पूरक उपाय के रूप में अपनाना चाहिए।

एएसआईएससी के क्षेत्रीय सम्मेलन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रभावी नेतृत्व पर मंथन



बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो।

सेंट जेवियर्स स्कूल, बोकारो के आतिथ्य में आयोजित एएसआईएससी बिहार-झारखंड के 38वें क्षेत्रीय सम्मेलन एवं वार्षिक आमसभा के दूसरे दिन शैक्षिक गुणवत्ता, संगठनात्मक दायित्वों और भावी योजनाओं पर चर्चा हुई। सम्मेलन में विद्यालयी शिक्षा को बेहतर बनाने, प्रभावी नेतृत्व विकसित करने तथा विभिन्न विद्यालयों के बीच सहयोग को गुणवत्ता और भविष्य के योजनाओं पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में एसआईएससी बिहार-झारखंड की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीमती मैरी अल्फोंसा ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। इस अवसर पर कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष फादर कुरियन श्रिक्कोडनमेलिल टीओआर, सचिव

क्रिस्टोफर एंजेलो फ्रांसिस, कोषाध्यक्ष फादर मनोज कुल्लू, टीओआर, क्षेत्रीय खेल समन्वयक जोएल ए. एडविन तथा विभिन्न जोनल कोऑर्डिनेटरों को सम्मानित किया गया। इसके बाद फादर कुरियन श्रिक्कोडनमेलिल ने कार्यकारिणी समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। वार्षिक आमसभा में संगठनात्मक गतिविधियों, विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता और भविष्य के योजनाओं पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में एसआईएससी बिहार-झारखंड की क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीमती मैरी अल्फोंसा ने अध्यक्षीय संबोधन दिया। इस अवसर पर कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष फादर कुरियन श्रिक्कोडनमेलिल टीओआर, सचिव

विनोद फर्नांडीस ने काउंसिल अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन के दौरान नए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया भी संपन्न हुई। क्षेत्रीय अध्यक्ष मैरी अल्फोंसा ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। आयोजन समिति और छत्र स्वयंसेवकों के सहयोग से दो दिवसीय सम्मेलन का समापन हुआ। सम्मेलन को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रभावी शैक्षिक नेतृत्व और विद्यालयों के बीच आपसी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिटिंग प्रेस बियाड़ा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर- 31, कॉर्पोरेटिव कॉलोनी, बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com